

: ब्रीफ बॉक्स :

आईआईटी-बॉम्बे
सुसाइड केस में प्रोफेसर
डूला को छुट्टी पर भेजा



मुंबई,एजेंसी। IIT बॉम्बे ने छात्र साहिल वाकोडे के सुसाइड केस में आरोपी प्रोफेसर सूर्यनारायण डूला को छुट्टी पर भेजा है। उन पर साहिल को उकसाने और जातिगत भेदभाव का आरोप है। 21 सितंबर को डूला को डीन ऑफ एडमिनिस्ट्रेटिव अफेयर्स के पद से हटाया था।

संस्थान ने जांच के लिए 10 सदस्यीय हाईलेवल कमेटी बनाई है। कमेटी मौत से पहले की परिस्थितियों और आरोपों की जांच करेगी। इसकी अध्यक्षता IIT पालक्कड़ के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन प्रो. रमेश वेकटेश्वरन करेंगे। कमेटी एक हफ्ते में रिपोर्ट देगी। साहिल के पिता रविंद्र वाकोडे ने FIR में नामजद आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है। उन्होंने कहा कि परिवार को किसी कमेटी से ज्यादा निष्पक्ष जांच और बेटे के लिए न्याय चाहिए। परिवार ने कहा कि वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन भी करेंगे।

साहिल की मौत को लेकर IIT बॉम्बे ने 19 सितंबर को कहा था कि मिड-सेमेस्टर एग्जाम के दौरान साहिल मोबाइल से नकल करते पकड़ा गया था।

न्यूयॉर्क में अमेरिका-ईरान के बीच 3 घंटे बातचीत

ईरान की शर्त- अमेरिका दबाव घटाए तो होर्मुज खोलने तैयार ट्रम्प बोले- फिर मिलेंगे



न्यूयॉर्क,एजेंसी। UN जनरल असेंबली के दौरान मंगलवार को न्यूयॉर्क में अमेरिका और ईरान के अधिकारियों के बीच करीब 3 घंटे बातचीत हुई। इस बातचीत में अमेरिकी विशेष दूत स्टीव वित्कोफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची शामिल हुए। कतर के अधिकारियों ने इसकी मध्यस्थता की।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बताया कि बातचीत अच्छी रही और दोनों पक्षों की जल्द ही एक और बैठक होगी। द गार्डियन की रिपोर्ट के मुताबिक एक सीनियर ईरानी अधिकारी ने कहा कि अगर अमेरिका सैन्य और आर्थिक दबाव कम करने के लिए कदम उठाता है तो ईरान 7 दिन के भीतर होर्मुज स्ट्रेट खोल सकता है।

वित्कोफ-अराघची नहीं मिले, मध्यस्थों के जरिए बातचीत हुई अमेरिकी विशेष दूत स्टीव वित्कोफ ने बातचीत के बाद कहा कि उन्हें अच्छा महसूस हो रहा है।

मेघालय में 8 यूडीपी विधायक भाजपा में शामिल भाजपा विधायक 2 से बढ़कर 10 हुए, राज्य में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी

शिलाँग,एजेंसी। मेघालय की यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (UDP) के 8 विधायक बुधवार को नई दिल्ली में भाजपा में शामिल हो गए। पार्टी हेडक्वार्टर में केंद्रीय मंत्री किरन रिजजू समेत पार्टी के अन्य नेताओं की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ली। राज्य में पहले भाजपा के 2 विधायक थे। UDP के 8 विधायकों के भाजपा में शामिल होने के बाद पार्टी के विधायकों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। इसके साथ ही भाजपा विधानसभा में नेशनल पीपुल्स पार्टी (NPP) के बाद दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है।

राज्य में मेघालय डेमोक्रेटिक अलायंस (MDA) की सरकार है। इसमें NPP, UDP और भाजपा तीनों पार्टीयां शामिल हैं। वहीं, UDP के विधायकों की संख्या 12 से घटकर 4 रह गई है।



रिजजू बोले- सभी एनडीए सरकार के कामकाज से प्रभावित थे... बीजेपी में शामिल होने वाले विधायकों में लहकमन रिबुई, पियस मारवीन, किर्मेन शायला, मायरेलबान सिएम, मैथ्यू कुर्बाई, ओलान सिंह सुइन, बालाजिएड कुफर सिनरेम और सिनशर कुफर रॉय शामिल हैं।

यूपी में सरकारी ‘भारत टैसी’ लॉन्च, योगी ने सवारी की डिटी सीएम बोले- नौकरी के चकर में न पड़ें, 4 घंटे कैब चलाओ

लखनऊ,एजेंसी। सीएम योगी ने बुधवार को लखनऊ में सरकारी कैब ‘भारत टैक्सी’ लॉंच की। इस दौरान उन्होंने कहा-सहकारिता मंत्रालय के गठन के परिणाम अब देखने को मिल रहे हैं। जिन लोगों के बारे में कोई सोचता नहीं था जैसे- टैक्सी ड्राइवर, अब वे रजिस्ट्रेशन के साथ जीरो कमीशन पर भारत टैक्सी का हिस्सा बनेंगे।

उन्होंने कहा- अब तक टैक्सी ड्राइवर को कोई सुखा नहीं दी जाती थी। उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया जाता था। आज जब



ड्राइवर कार पर भारत टैक्सी लिखवाएगा तो उसे गर्व होगा कि यह पूरे भारत की टैक्सी है। उसके मन में निश्चिन्ता होगी कि 5 लाख की सामाजिक सुखा गारंटी भी मिल रही है।

रिपोर्ट: एसआईआर पर 2 चुनाव आयुक्तों ने 14 बार आपत्ति जताई राहुल ने कहा- वोट चोरी संविधान के खिलाफ, इसमें शामिल किसी को नहीं बख्शेंगे

नई दिल्ली,एजेंसी। वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (SIR) को लेकर चुनाव आयोग में कथित मतभेद की रिपोर्ट सामने आने के बाद आयोग के सूत्रों ने सफाई दी है। सूत्रों के मुताबिक, चुनाव आयुक्त किसी मुद्दे पर सवाल उठा सकते हैं, स्पष्टीकरण मांग सकते हैं या अपनी राय दे सकते हैं। लेकिन इसे औपचारिक असहमति यानी डिसेंट नहीं माना जा सकता।

उधर, राहुल गांधी ने एक वीडियो जारी कर वोट चोरी को संविधान के खिलाफ बताया है। उन्होंने कहा कि समय आने पर किसी को छोड़ा नहीं जाएगा।

द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, स्टूक प्रक्रिया पर चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में आयोग के फैसलों पर कम से कम 14 बार लिखित आपत्ति दर्ज की।

विपक्षी नेताओं की प्रतिक्रियाएं...

- राहुल गांधी- मैं इलेक्शन कमीशन और इलेक्शन ऑफिसर्स को साफ कह रहा हूँ कि आप जो कर रहे हो गलत कर रहे हो। ये राजद्रोह है, देश के खिलाफ है। टाइम आएगा। हम आपको पकड़ेंगे। बचने वाले नहीं हों।
- सपा प्रमुख अखिलेश यादव: सभी चुनाव आयुक्त अपना सही काम नहीं कर पा रहे हैं। एक स्वतंत्र निकाय के सदस्यों को अगर न्यायपूर्ण कार्य करने की स्वतंत्रता नहीं है या उनकी कोई सुनवाई नहीं है तो ये लोकतंत्र के लिए बेहद घातक और खतरनाक हालात हैं। कुछ लोगों द्वारा सत्ता की कठपुतली बनकर लोकतंत्र को धोखा देना घोर सांविधानिक अपराध है। ये लोकतंत्र को मिटाने के किसी षड्यंत्र से कम नहीं है। सुप्रीम कोर्ट स्वतः संज्ञान ले।
- आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज: सभी विपक्षी दलों को पहले चुनाव आयोग से जुड़े इस मुद्दे को उठाना चाहिए और आयोग को व्यवस्थित करने पर ध्यान देना चाहिए।
- ममता टीएमसी की राज्यसभा सदस्य सागरिका घोष: SIR की खामियों और अव्यवस्था की जिम्मेदारी मुख्य चुनाव आयुक्त की है। किसके निर्देश पर नागरिकों को कथित तौर पर मताधिकार से वंचित किया जा रहा है।



बंगाल की खाड़ी में बारिश का मजबूत सिस्टम बन रहा

बिहार में बारिश का अलर्ट, राजस्थान में मई जैसी गर्मी



नई दिल्ली,एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में बना छीप डिप्रेशन पिछले 6 घंटे में 12 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम दिशा की ओर बढ़ा है। बुधवार सुबह 5:30 बजे यह आंध्र प्रदेश के कलिंगपट्टनम से करीब 70 किमी दूर समुद्र में था। मौसम विभाग के मुताबिक, इसके 24 सितंबर की रात तक उत्तर आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के तट के बीच कलिंगपट्टनम के पास से गुजरते हुए तट पार करने की संभावना है। छीप डिप्रेशन कम दबाव वाले मौसम तंत्र का एक मजबूत चरण होता है, जो समुद्र के ऊपर बनता है और तेज हवाओं

के साथ आगे बढ़ता है। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा, सिवनी और बालाघाट में आज भारी बारिश का अलर्ट है। वहीं, पूरे बिहार में आज बारिश की चेतावनी जारी की गई है। राज्य के 38 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। राजस्थान में बारिश रुकने के बाद गर्मी बढ़ गई है। जैसलमेर में तापमान 41 डिग्री और बीकानेर-बाड़मेर में 40 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया। सितंबर में भी मई जैसी गर्मी महसूस हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य में अगले 4-5 दिन मौसम ड्राई रहने और गर्मी बढ़ने की संभावना है।

आजमगढ़ में पत्नी-बेटे, दो पुजारियों को मारने वाले का एनकाउंटर

● पूजा कराने से नाराज था, 3 बच्चों को बंधक बनाया ● कमांडो कार्रवाई में मारा गया

आजमगढ़,एजेंसी। यूपी के आजमगढ़ में पत्नी, बेटे और दो पुजारियों की हत्या करने वाला आरोपी एनकाउंटर में मारा गया। पकड़े जाने के डर से उसने अपने 3 बच्चों को कमरे में बंधक बना लिया। 7 घंटे बाद उसने बेटे पर गोली चला दी। इसके बाद ज़र, SOG ने हत्यारे अरविंद सिंह (42) को मार गिराया। घटना जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर अहिरौला थाना क्षेत्र की है।



पुलिस के मुताबिक, परिवार को शक था कि अरविंद को उसके भाई सुनील की आत्मा परेशान कर रही है। इसलिए पत्नी-मां महामयुंजय जाप करा रही थीं। इससे अरविंद नाराज था। मंगलवार शाम 6 बजे इसी बात को लेकर पत्नी से बहस हुई। कहा- तेरे चक्कर में मेरे भाई की हत्या हो गई। अब तू यहां ड्रामा कर रही है। इसके बाद उसने पुजारियों से आभार कार्ड मांगा और उनसे कहासुनी करने

लगा। इसी बीच, गुस्से में कमरे से लाइसेंस रिवॉल्वर लेकर आया और पत्नी और दो पुजारियों को गोली मार दी, फिर तीनों बच्चों को कमरे में बंधक बना लिया। सूचना मिलते पर 10 थानों की फोर्स पहुंची तो अरविंद बच्चों को मारने की धमकी देने लगा। मामला बिगड़ता देखकर ATS-SOG के 45 जवानों को बुलाया गया। टीम उसे सरेंडर करने के लिए समझाती रही। रात 1 बजे उसने

बच्चे पर गोली चला दी। टीम ने स्मोक ग्रेनेड और टियर गैस छोड़ी और दरवाजा तोड़कर कमरे के अंदर घुसी। अरविंद ने रिवॉल्वर से जवानों पर 6 राउंड फायर किए। जवाबी कार्रवाई में मारा गया।

मृतकों में अरविंद के अलावा पत्नी बबोता (40), बेटा शौर्य (9), पुजारी महेंद्र पाठक (60) और अखिलेश मिश्रा (55) शामिल हैं। पोस्टमॉर्टम के बाद शवों को घर लाया गया है। अंतिम संस्कार की तैयारियां शुरू हो गई हैं। घर के बाहर फोर्स तैनात है। दोनों बेटियां दादी के साथ हैं।

लद्दाख में नेपाल जैसी बाढ़ का खतरा ग्लेशियर झील से रिसाव हो रहा

दबाव बढ़ा तो झील को तोड़कर पानी निकालेंगे

लेह,एजेंसी। लद्दाख के सबसे बड़े द्रंग-दुंग ग्लेशियर के मुहाने पर बनी झील से पानी का रिसाव शुरू हो गया है। बीते कुछ साल में झील तेजी से बढ़ी है। ऐसे में वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान के वैज्ञानिक जास्कर में ग्लेशियर के पास ही कैंप कर इस पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। वैज्ञानिक झील में पानी की



मात्रा, गहराई और ग्लेशियर के पिघलने की रफ्तार की रियल टाइम निगरानी कर रहे हैं। पानी बढ़ने से

निकालने की भी तैयारी है। नेपाल में हाल की आपदा के बाद हिमालयी क्षेत्र की संवेदनशील ग्लेशियर झीलों की निगरानी और तेज की गई है। करीब 24 किमी लंबे द्रंग-दुंग ग्लेशियर के पीछे हटने से उसके मुहाने पर यह प्रो-ग्लेशियर झील बनी है। 2017 में इसका क्षेत्रफल करीब 16.62 हेक्टेयर था, जो 2023 में बढ़कर 39.1 हेक्टेयर हो गया।

2010 के बाद बनी झील: अध्ययनों के मुताबिक, 2010 के

लद्दाख और द्रंग-दुंग ग्लेशियर पर अरार... लद्दाख का द्रंग-दुंग ग्लेशियर तेजी से सिकुड़ रहा है, जिससे इसके मुहाने पर पानी जमा होकर एक बड़ी अस्थिर झील बन गई है।

बाद ग्लेशियर के पीछे हटने से बनी गहरी जगह में पिघली बर्फ का पानी जमा होने लगा और झील बन गई। 2021 के बाधिमैट्टी सर्वे में 5 हजार से ज्यादा बिंदुओं पर माप लिया गया था।

आयुष्मान भारत के 8 साल, गरीबों को मिली स्वास्थ्य सुरक्षा की बड़ी

मोदी बोले: आयुष्मान भारत से 60 करोड़ लोगों को मिला स्वास्थ्य कवर

मुंबई,एजेंसी। आयुष्मान भारत योजना के बुधवार को आठ साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इससे देश के 60 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपए तक की हेल्थ कवरेज मिली है, जो कि इसे दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थकेयर स्कीम बनाती है। पीएम मोदी ने कहा आयुष्मान भारत के सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'आठ साल पहले, आयुष्मान भारत की शुरुआत इस सोच के साथ की गई थी कि हर



भारतीय को बेहतरनी और किफायती हेल्थकेयर मिल सके। आज, 60 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों को सालाना 5 लाख रुपए का हेल्थ कवर मिल रहा है, जिससे यह दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थकेयर स्कीम बन गई है। उन्होंने आगे कहा कि इसने इलाज के खर्च में रिकॉर्ड बचत मुमकिन बनाई है, जिससे गरीबों और मध्यम वर्ग को फायदा हुआ

है। हेल्थकेयर हर घर के करीब पहुंच रही है। आयुष्मान आरोग्य मंत्रियों ने अब तक 500 करोड़ से ज्यादा विजिट दर्ज की जा चुकी हैं, जिससे जमीनी स्तर पर प्राथमरी हेल्थकेयर मजबूत हुई है। वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 साल पहले 'सेवा का संकल्प' लिया था, जिसने लाखों लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को बदल दिया है। आज 'आयुष्मान भारत पीएम-जेएचआई' जो दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है। देश भर में आधा अरब से ज्यादा लोगों को कवर करती है।

फिर चर्चा में चोल राजवंश की नगरी ‘पूम्पुहार’, पुरातत्व विभाग को 12000 साल पुराने इतिहास के मिले अवशेष

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के प्राचीन और ऐतिहासिक बंदरगाह शहर ‘पूम्पुहार’ को लेकर एक बहुत ही रोमांचक और बड़ी खबर सामने आई है। यही कारण है कि शुरुआती चोल राजवंश द्वारा बसाया गया और सदियों पहले सुनामी व समुद्री कटाव की वजह से समंदर में समा चुका यह प्राचीन शहर एक बार फिर चर्चा में है। अब सवाल यह है कि यह शहर अचानक से चर्चा में क्यों आया तो इसके जवाब को ऐसे समझिए कि हाल ही में तमिलनाडु के पुरातत्व विभाग की एक टीम ने बंगाल की खाड़ी में समंदर के भीतर दो हफ्ते तक गहन खोजबीन की है। इस दौरान वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के हाथ ऐसे अनमोल सबूत लगे हैं, जो इस शहर के गौरवशाली इतिहास और प्राचीन व्यापारिक रिशतों की गवाही देते हैं।

समंदर के भीतर क्या-क्या मिला: जानकारी के अनुसार टट से दो किलोमीटर दूर समंदर की गहराई में 200 से ज्यादा मिट्टी के बर्तन के टुकड़े और प्राचीन संरचनाओं की



तस्वीरें मिली हैं। साथ ही इस बार की खोज में ‘टॉरपीडो जार’ मिले हैं। ये लंबे और सकेरे बर्तन होते थे, जिनका इस्तेमाल प्राचीन काल में फारस की खाड़ी के व्यापार नेटवर्क में शराब और अन्य सामान लाने-ले जाने के लिए किया जाता था।

ईरान और गंगा के मैदानों से कनेक्शन

का भी प्रमाण: दूसरी तरफ यहां से ग्लेड्ड पोर्टरी चिकनी और पॉलिश की हुई मिट्टी के बर्तन भी मिले हैं, जो प्राचीन ईरान के साथ व्यापारिक संबंधों की ओर इशारा करते हैं। इसके अलावा, पैडल-इम्प्रेस्ड पोर्टरी से यह साबित होता है कि पूम्पुहार का व्यापार गंगा के मैदानी इलाकों तक फैला हुआ था। इतना ही

नहीं शोधकर्ताओं को चूना पत्थर के अवशेष प्रसिद्ध ‘अमरावती’ के बौद्ध अवशेषों से हो भी मिले हैं, जिनका संबंध आंध्र प्रदेश के

रहस्यमयी अंडाकार संरचना और प्राचीन इतिहास की कहानी

बता दें कि साल 1991 में खोजकर्ताओं ने तट से करीब 5.5 किलोमीटर दूर, 23 मीटर की गहराई में एक बड़ी संरचना का पता लगाया था। बाद में पता चला कि यह 40 मीटर लंबी और 16 मीटर चौड़ी एक अंडाकार संरचना है, जो समुद्र की तलहटी से 2.5 मीटर ऊपर उठी हुई है और पत्थर के बड़े-बड़े ब्लॉकों से बनी है। गौर करने वाली बात यह भी है कि इस प्राचीन शहर, जिसे कावेरीपट्टिनम या कावेरीपुम्पट्टिनम भी कहा जाता है,इसका जिक्र तमिलनाडु के प्रसिद्ध महाकाव्यों ‘सिलप्पतिकारम’ और ‘मणिमेगलाद्री’ में मिलता है। इसके अलावा ग्रीक-रोमन ऐतिहासिक दस्तावेजों में भी इसका उल्लेख ‘काबोरिस एम्पोरियम’ के रूप में मिलता है।

अब समझिए समंदर में कैसे समा गई थी यह नगरी

पुरातत्वविदों और भूवैज्ञानिकों के मुताबिक, तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व की यह नगरी भयंकर सुनामी और लगातार समुद्री कटाव की वजह से धीरे-धीरे पानी में डूब गई। इसका सबसे बड़ा उदाहरण वनागिरी का ‘एल्वईअम्मन मंदिर’ है, जो साल 1991 तक इस्तेमाल में था, लेकिन आज वह तट से 100 मीटर अंदर समंदर के पानी में जा चुका है।

मरीजों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता, कर्नाटक में नकली दवाओं की जांच के बीच फाइजर ने दी सफाई

बेंगलुरु, एजेंसी। नकली दवाओं के चलन को लेकर कर्नाटक फूड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (स्रष्ट) की कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए फाइजर ने मंगलवार को कहा कि मरीजों की सुरक्षा और प्रोडक्ट की क्वालिटी उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकताएँ हैं। कर्नाटक के हेल्थ रेगुलेटर ने रविवार को कहा कि उसने नकली दवाओं के कथित वितरण और बिक्री के मामले में रितेलर्स और होलसेलर्स के 16 ड्रा लाइसेंस रद्द कर दिए हैं और आठ अन्य को सस्पेंड कर दिया है।

पिछले एक महीने से चल रहा काम: कंपनी ने मंगलवार देर शाम एक बयान में कहा, ‘फाइजर में हमारे लिए मरीजों की सुरक्षा और प्रोडक्ट की क्वालिटी सबसे ज्यादा जरूरी है।’ फाइजर ने दावा किया है कि जब से यह मामला उसके ध्यान में आया है तब से वह पिछले एक महीने से अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही है। कंपनी ने आगे कहा, ‘तब से हमने जांच में मदद के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें कन्स्यूजन से बचने के लिए बाजार से फाइजर के उन बैच को



हटाना शामिल है जिनके बैच नंबर की नकल की गई थी। साथ ही असली और नकली प्रोडक्ट के बीच फर्क करने में मदद करना और प्रभावित बैच से जुड़ी तकनीकी व अन्य जरूरी जानकारी देना भी शामिल है। फाइजर ने कहा कि वह अधूरे सवालों को सुलझाने के लिए अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही है। कंपनी ने इस बात पर जोर दिया कि उसका ध्यान मरीजों की सुरक्षा, जन-स्वास्थ्य की रक्षा और हेल्थकेयर सिस्टम में भरोसा बनाए रखने पर है।

डेनमार्क-अमेरिका समझौता: रूस और चीन पर कितना असर पड़ेगा

यूएन में क्या बोले ट्रंप जानिए
समझौते का मकसद

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, ग्रीनलैंड और डेनमार्क के नेताओं ने 22 सितंबर, मंगलवार को एक समझौता किया। यह समझौता ग्रीनलैंड में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति बढ़ाने की अनुमति देता है। इसका उद्देश्य रणनीतिक और खनिज-समुद्र द्वीप को लेकर चल रहे गतिरोध को सुलझाना है। यह समझौता न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान हस्ताक्षरित हुआ।

रूस और चीन की बढ़ती रोकने में मदद मिलेगी: यह समझौता ट्रंप की उस मांग से कम है, जिसमें उन्होंने अमेरिका द्वारा ग्रीनलैंड को अमेरिकी क्षेत्र के रूप में अपनाने की बात कही थी। ट्रंप की यह मांग रूस और चीन की बढ़ती आर्कटिक उपस्थिति को रोकने के लिए थी। हालांकि, यह समझौता बर्फीले क्षेत्र में अधिक अमेरिकी सैन्य उपस्थिति की अनुमति देता है। यह विकल्प तब सामने आया जब ग्रीनलैंड के नेताओं ने पूर्ण अमेरिकी अधिग्रहण का विरोध किया।

किसी भी अमेरिकी विरोधी को ग्रीनलैंड में जगह नहीं: समझौते का जिक्र करते हुए ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र में विश्व नेताओं को अपने भाषण में कहा कि यह समझौता अमेरिका को उस क्षेत्र की सुरक्षा और अन्य सभी आवश्यकताओं पर स्थायी नियंत्रण देता है। उन्होंने कहा कि किसी भी अमेरिकी विरोधी को ग्रीनलैंड में सैन्य उपस्थिति स्थापित करने या हमारी स्पष्ट लिखित स्वीकृति के बिना वहां संवेदनशील निवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ट्रंप ने डेनिश प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन और ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नील्सन के साथ एक त्रिपक्षीय समारोह में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए।

समझौते का मुख्य उद्देश्य क्या है: इस समझौते का मुख्य उद्देश्य आर्कटिक क्षेत्र में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव को कम करना है। यह ग्रीनलैंड के रणनीतिक महत्व को रेखांकित करता है। अमेरिका इस द्वीप पर अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ाकर अपनी सुरक्षा हितों को मजबूत करना चाहता है। यह समझौता रूस और चीन की आर्कटिक क्षेत्र में बढ़ती गतिविधियों का मुकाबला करने के लिए एक कदम है। ग्रीनलैंड की खनिज संपदा भी इस समझौते का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

यूएन मुख्यालय के पास मिला सॉदिग्ध पैकेट, बम की आशंका, सुरक्षा एजेंसिया अलर्ट, पुलिस ने क्या बताया

अल्बानी, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान न्यूयॉर्क में मंगलवार को एक सॉदिग्ध पैकेट मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गईं। यह पैकेट 43वीं स्ट्रीट और थर्ड एवेन्यू के पास मिला था। मामला संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय से कुछ ही दूरी का था, जहां दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्ष और सरकारों के प्रमुख महासभा के उच्चस्तरीय सत्र में हिस्सा ले रहे हैं। एहतियात के तौर पर पुलिस ने 42वीं स्ट्रीट से 44वीं स्ट्रीट तक और सेकंड एवेन्यू से लेक्सिंगटन एवेन्यू के बीच का इलाका बंद कर दिया। लोगों से इस क्षेत्र में नहीं जाने की अपील की गई। संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान न्यूयॉर्क में मंगलवार को एक सॉदिग्ध पैकेट मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गईं। यह पैकेट 43वीं स्ट्रीट और थर्ड एवेन्यू के पास मिला था। मामला संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय से कुछ ही दूरी का था, जहां दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्ष और सरकारों के प्रमुख महासभा के उच्चस्तरीय सत्र में हिस्सा ले रहे हैं। एहतियात के तौर पर पुलिस ने 42वीं स्ट्रीट से 44वीं



स्ट्रीट तक और सेकंड एवेन्यू से लेक्सिंगटन एवेन्यू के बीच का इलाका बंद कर दिया। लोगों से इस क्षेत्र में नहीं जाने की अपील की गई।

जांच के बाद पैकेट को लेकर क्या सामने आया: न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने बाद में बताया कि पैकेट की जांच कर ली गई है और उसे सॉदिग्ध नहीं पाया गया। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के प्रवक्ता के अनुसार, 22 सितंबर को करीब दोपहर तीन बजे सुरक्षा एजेंसियों और उनके सहयोगी दलों ने 43वीं स्ट्रीट और थर्ड एवेन्यू के

केरल हाई कोर्ट ने आबकारी मामले में न्यूज चैनल के एमडी को दी जमानत

शराब की बोतलें हुई थी बरामद

कोच्चि, एजेंसी। केरल हाईकोर्ट ने मंगलवार को एक निजी मलजालम न्यूज चैनल (रिपोर्टर ब्रॉडकास्टिंग कंपनी) के प्रबंध निदेशक एंटो आगस्टीन को आबकारी मामले में जमानत दे दी है। यह मामला उनके वायनाड स्थित पैतृक घर से तय सीमा से अधिक शराब की बोतलें बरामद होने के बाद दर्ज किया गया था। जस्टिस कौसर एडुप्पागाथ ने यह राहत देते हुए कहा कि आगस्टीन के खिलाफ अतीत या वर्तमान में विदेशी शराब से जुड़ा कोई अन्य मामला दर्ज नहीं है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब तक आरोपित के खिलाफ एक से अधिक मामले या



आपराधिक इतिहास न हो, तब तक इस तरह के मामलों में जमानत दी जाती है।

अदालत में क्या तर्क दिया गया: सुनवाई के दौरान, अभियोजन पक्ष के निदेशक (जीजीपी) टी.

आसपास के रास्ते एहतियात के तौर पर बंद किए थे। जांच के बाद साफ हुआ कि इस सामान से आम लोगों को कोई खतरा नहीं था। इसके बाद इलाके को फिर से खोला गया। हालांकि पुलिस ने 43वीं स्ट्रीट के थर्ड एवेन्यू से लेक्सिंगटन एवेन्यू तक के हिस्से को कुछ समय के लिए बंद रखा। इलाके में मौजूद लोगों ने क्या बताया घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों ने इलाके में भारी सुरक्षा व्यवस्था देखी। पास की एक इमारत में काम करने वाले न्यूयॉर्क निवासी ने बताया कि सड़कें बंद होने के साथ कई मोटरकेड भी इलाके से गुजर रहे थे। उसने स्थिति को बेहद तनावपूर्ण बताया और लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। एक अन्य व्यक्ति ने बताया कि थर्ड एवेन्यू को 42वीं स्ट्रीट के उत्तर में कुछ घंटों के लिए घेर दिया गया था। इलाके में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद थे। उसने बताया कि उसे लगा कि कोई सूटकेस या सामान मिला था, जिसकी पुलिस जांच कर रही थी।

17 सितंबर को हुई थी गिरफ्तारी: गौरतलब है कि एक फुटबाल इवेंट से जुड़ी अनियमितताओं की जांच कर रहे विशेष जांच दल को उनके घर पर शराब की बोतलें मिली थीं, जिसके बाद आबकारी विभाग ने 17 सितंबर को उन्हें गिरफ्तार किया था। ट्रायल कोर्ट द्वारा जमानत याचिका खारिज होने के बाद उन्होंने हाईकोर्ट का रुख किया था।

असफ अली ने तर्क दिया कि आगस्टीन ‘धन और ताकत’ वाले व्यक्ति हैं और पुलिस जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि आरोपित को पुलिस के हर सवाल का जवाब देना जरूरी नहीं है, हालांकि जांच में सहयोग के लिए उस पर शर्तें जरूर लगाई जा सकती हैं।

17 सितंबर को हुई थी गिरफ्तारी: गौरतलब है कि एक फुटबाल इवेंट से जुड़ी अनियमितताओं की जांच कर रहे विशेष जांच दल को उनके घर पर शराब की बोतलें मिली थीं, जिसके बाद आबकारी विभाग ने 17 सितंबर को उन्हें गिरफ्तार किया था। ट्रायल कोर्ट द्वारा जमानत याचिका खारिज होने के बाद उन्होंने हाईकोर्ट का रुख किया था।

ट्रंप के भाषण के दौरान ईरानी प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र से बाहर निकला: अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तेहरान के खिलाफ सैन्य हमलों पर बोलने के दौरान ईरानी प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र महासभा से बाहर निकल गया। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने संबोधन में अमेरिकी सैन्य अभियानों का विषय उठाया। तेहरान करने वाली चुनौतियों को दूर करने के कगार पर हैं। उन्होंने बताया कि स्टीव विटकॉफ

संक्षिप्त समाचार

बांबे हाई कोर्ट ने विजय माल्या को चेताया, इंटरनेट पर शेयर न करें कोर्ट के दस्तावेज



मुंबई, एजेंसी। बांबे हाई कोर्ट ने मंगलवार को मनी लॉड्रिंग के आरोपित शराब कारोबारी विजय माल्या को चेतावनी दी कि वह मामला लंबित रहने के दौरान कोर्ट के दस्तावेज इंटरनेट मीडिया पर साझा न करें। जस्टिस मिलिंद जाधव को ईडी के वकील आशीष मेहता ने बताया कि माल्या की याचिका के जवाब में जांच एजेंसी ने आठ सितंबर को हलफनामा दायर किया था और उसी दिन माल्या की कानूनी टीम को इसकी प्रति दी थी। मामले की सुनवाई नौ सितंबर को होनी थी, लेकिन माल्या ने आठ सितंबर की शाम को अपने इंटरनेट मीडिया अकाउंट्स पर हलफनामा अपलोड कर दिया था। जस्टिस जाधव ने माल्या के वकील अमित देसाई से कहा, ‘यह अच्छा व्यवहार नहीं है। यह गंभीर मामला है। कृपया उन्हें (माल्या को) भविष्य में ऐसा न करने की चेतावनी दें। वह जो कुछ भी दाखिल करना चाहते हैं, कोर्ट में कर सकते हैं।’ उन्होंने कहा, ‘कृपया अपने मुवक्कल को समझाएं, यह तरीका सही नहीं है... इससे कोर्ट की कार्यवाही की अहमियत कम होती है। **एक रिपोर्ट और दफन राज बाहर:** गुजरात में पति के इलाज के लिए कराया बेटे का बोन मैरो टेस्ट

सामने आया दुष्कर्म का मामला

मोरबी, एजेंसी। गुजरात के मोरबी में ब्लड कैंसर पीड़ित पति के इलाज के लिए महिला ने जब बेटे का बोन मैरो टेस्ट कराया तो बेटे के साथ पति का बोन मैरो को मिलान नहीं हो सका और पांच साल पुराने दुष्कर्म के मामले का हैरान करने वाला सच सामने आया। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता महिला ने बताया कि उसने 2020 में अपने पति के बोन कैंसर के इलाज के लिए एक लाख रुपये उधार लिए थे। कर्ज चुकाने में असमर्थता का फायदा उठाकर आरोपित ने कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपित मोरबी नगर निगम की एक भाजपा पार्षद का पति है। इस मामले में पीड़िता की शिकायत पर आरोपित के खिलाफ 9 सितंबर को मामला दर्ज किया। आरोपित अभी भी फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। यह मामला तब सामने आया जब चिकित्सकों ने पीड़िता के बीमार पति के लिए बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सलाह दी। जब बेटे का बोन मैरो पति से मेल नहीं खाया तो महिला ने सामने आकर उस घटना की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस महिला की शिकायत के आधार पर वैज्ञानिक और अन्य जरूरी साक्ष्य जुटा रही है।

फूड सेफ्टी ऑडिट में फेल हुए मुंबई के रेस्तरां, पांच बड़े होटलों में मिली भारी कमियां



मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के खाद्य और औषध प्रशासन (एफडीए) ने मुंबई के पांच रेस्तरां के लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। इनमें महालक्ष्मी रेसकोर्स स्थित रॉयल वेस्टर्न इंडिया टर्फ क्लब का गैलाप्स रेस्तरां भी शामिल है। एफडीए ने बताया कि वर्सावा-यारी रोड पर गुफरान सीख कार्नर, बांद्रा (वेस्ट) में ड्रीमर हॉस्पिटैलिटी प्रॉड्वेक्ट लिमिटेड, बांद्रा वेस्ट में मिरारी और मलाड में गुरुकृपा डेयरी प्रोडक्ट्स के लाइसेंस भी निलंबित किए हैं। साफ सफाई और खाद्य सुरक्षा से जुड़े नियमों के उल्लंघन के कारण यह कार्रवाई की गई है। गैलाप्स रेस्तरां के रेफ्रिजरेटर में रखी बर्फ पर खून और केचप के दाग मिले। कई और कमियां भी मिली। ‘गुरुकृपा डेयरी प्रोडक्ट्स’ में एफडीए अधिकारियों ने रैकेट का भंडाफोड़ किया। यह रैकेट रिफाईंड सूरजमुखी तेल, वनस्पति (हाइड्रोजनीकृत वसा) और बांडेड घी को मिलाकर नकली घी बनाता था और फिर गुमराह करने वाली लेबलिंग के जरिये इसे ‘पूजा घी’ के नाम से बेचता था। एफडीए ने 2,464.05 किलोग्राम मिलावटी घी, तेल और वनस्पति के साथ-साथ बायस्कर, खोया बनाने की मशीन और उपकरण जब्त किए, जिनकी कुल कीमत 15,15,597 रुपये थी। गुफरान सीख कार्नर को बिना किसी वैध फूड लाइसेंस के संचालित किया जा रहा था।

81वां यूएनजीए सत्र: नेपाल के बालेन शाह पहली बार शामिल होंगे

● गुटेरेस से मैक्रों तक के

वक्तव्य, किसने क्या कहा

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त महासभा की 81वीं बैठक में कई अहम मुद्दों पर भाषण दिए जा रहे हैं। पहले दिन भारत ने यूरोपीय संघ समेत छह देशों के साथ मिलकर मोर्चा बनाने पर सहमति जताई। विदेश मंत्री डॉ जयशंकर ने कहा कि वैश्विक शांति खतरे में होने के कारण बहुध्रुवीय व्यवस्था बड़ी जरूरत है। दूसरे दिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका की तरफ से ईरान को खुली दमकी देने के बाद वार्ता की बात कहते हुए सबको चौंका दिया।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह यूएन में उठाएंगे जलवायु संकट का मुद्दा: नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह 81वें संयुक्त राष्ट्र



महासभा सत्र में भाग लेने के लिए 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ अमेरिका रवाना हो गए हैं। वह 24 सितंबर को महासभा को संबोधित करेंगे और 26 सितंबर को स्वदेश लौटेंगे। यह पद संभालने के बाद उनकी पहली विदेश यात्रा है। विदेश मंत्री शिशिर खनाल के नेतृत्व में एक दल रविवार को पहले ही न्यूयॉर्क पहुंच चुका है। प्रधानमंत्री शाह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के

समक्ष नेपाल के प्राथमिकता वाले मुद्दे उठाएंगे। उनके संबोधन में नेपाल के बढ़ते जलवायु संकट, जलवायु न्याय और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर जोर दिया जाएगा। सरकार इस मंच से नेपाल की जलवायु और विकास संबंधी चिंताओं को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करेगी। 26 अगस्त को रासुवा जिले में आई बाढ़ से 1,400 से अधिक लोग मारे गए और 6,000 से अधिक लापता हैं।

यूएन के मंच पर अमेरिका का रुख क्या: ट्रंप के मुताबिक अमेरिकी और ईरानी अधिकारियों ने मंगलवार को न्यूयॉर्क में मुलाकात की। हालांकि, ईरान ने इसका खंडन किया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन के तुरंत बाद ट्रंप ने धमकी दी थी कि अगर लाभार्थ सात महीने से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए जल्द ही कोई समझौता नहीं हुआ

तो वह इस्लामी गणराज्य को ‘नष्ट’ कर देंगे। ट्रंप ने पत्रकारों को बैठक के बारे में बताया, लेकिन बातचीत के बिंदुओं के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। ट्रंप बोले- ईरान के हमले चिंताजनक, इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर और तेल निकालने के अन्य तरीकों, जैसे पाइपलाइन, का दृढ़ता से समर्थन करता है। ट्रंप ने कहा कि वे दशकों से इस क्षेत्र को लाभान करने वाली चुनौतियों को दूर करने के कगार पर हैं। उन्होंने बताया कि स्टीव विटकॉफ

और जेरेड कुशनर ने ईरान समझौते पर मध्यस्थों से मुलाकात की। ट्रंप ने शील्ड ऑफ द अमेरिकाज की दूसरी बैठक में शामिल होने पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने इसे पश्चिमी गोलार्ध में आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अब तक का सबसे बड़ा और शक्तिशाली गठबंधन बताया।

ट्रंप के भाषण के दौरान ईरानी प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र से बाहर निकला: अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तेहरान के खिलाफ सैन्य हमलों पर बोलने के दौरान ईरानी प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र महासभा से बाहर निकल गया। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने संबोधन में अमेरिकी सैन्य अभियानों का विषय उठाया। तेहरान करने वाली चुनौतियों को दूर करने के कगार पर हैं। उन्होंने बताया कि स्टीव विटकॉफ

जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में सीधी कॉलेज का दबदबा

पुरुष और महिला दोनों वर्ग में संजय गांधी महाविद्यालय की टीम बनी विजेता, सिहावल और मझौली की टीमें रही उपविजेता

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर के तहत बुधवार को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस,संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों की पुरुष एवं महिला टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया दोनों वर्गों में संजय गांधी महाविद्यालय सीधी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक आर.बी.एस. चौहान रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने प्रतियोगिता में शामिल विभिन्न महाविद्यालयों की टीमों, कोच, मैनेजर और खिलाड़ियों का स्वागत किया। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना, अनुशासन और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा के साथ



प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया प्राचार्य ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और चुनौतियों का सामना करने की भावना

विकसित होती है उन्होंने प्रतिभागी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

पुरुष वर्ग में सिहावल रहा उपविजेता: प्रतियोगिता के दौरान पुरुष एवं महिला वर्ग में खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले

खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ मुकाबलों में हिस्सा लिया पुरुष वर्ग में संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय सीधी की टीम विजेता रही, जबकि शासकीय महाविद्यालय सिहावल ने उपविजेता स्थान हासिल किया इसी तरह महिला वर्ग में भी

संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय सीधी की टीम विजेता बनी महिला वर्ग में शासकीय महाविद्यालय मझौली की टीम उपविजेता रही दोनों वर्गों में विजेता टीमों के खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया।

विजेता टीमों को दी बधाई: प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर आर.बी.एस. चौहान ने विजेता एवं उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की उन्होंने खिलाड़ियों से नियमित अभ्यास करते हुए खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया प्रतियोगिता के सफल आयोजन में प्रोफेसर के.एस. नेताम एवं प्रोफेसर आई.पी. प्रजापति का विशेष सहयोग रहा प्रतियोगिता में केलाश वर्मा एवं सुधीर पांडे ने निर्णायक की भूमिका निभाई। आयोजन के दौरान महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी एवं प्रतिभागी खिलाड़ी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर भुईमाड़ में जन स्वास्थ्य शिविर आयोजित



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार एवं जिला आयुष अधिकारी सीधी के नेतृत्व में 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत भुईमाड़ के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्थित संस्कृत भवन में जन स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया शिविर में भुईमाड़ सहित आसपास के ग्रामों से बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे शिविर में कुल 352 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं आयुष चिकित्सा पद्धति से उपचार किया गया आयुष चिकित्सा अधिकारियों ने ग्रामीणों को रोगों की रोकथाम, संतुलित आहार-विहार और स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में जानकारी दी साथ ही दैनिक जीवन में आयुष पद्धतियों को अपनाने के लिए

प्रेरित किया कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत भुईमाड़ की सरपंच ने भगवान धन्वंतरि का विधिवत पूजन-अर्चन किया जिला आयुष अधिकारी डॉ. बैजनाथ प्रजापति सहित डॉ. बसंत कुमार पनिका, डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. रामकुमार गुप्ता, डॉ. प्रकाश कुमार तिवारी, डॉ. राजेश प्रजापति एवं नोडल अधिकारी अंगिरा प्रसाद द्विवेदी ने स्वास्थ्य सेवाएं दीं शिविर में पीएम जनमन टीम से डॉ. विकास माथुर, फिजियोथेरेपिस्ट अंकित सोनी, लैब तकनीशियन अश्वनी साकेत, एएनएम पूजा सिंह एवं नर्सिंग ऑफिसर रेखा सिंह ने भी सहयोग किया आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों तक आयुष चिकित्सा की पहुंच बढ़ाने और लोगों को स्वास्थ्य संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा।

विंध्य विहार कॉलोनी में गूंजे गणपति के जयकारे, महा आरती और भजन संध्या में उमड़ा उत्साह

लिटिल बैम्बिनोज स्कूल एवं कृषि महाविद्यालय डे-स्कॉलर फैमिली के संयुक्त आयोजन में श्रद्धालुओं ने लिया भक्ति कार्यक्रम का आनंद



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विंध्य विहार कॉलोनी में आयोजित गणेश स्थापना महोत्सव के तहत मंगलवार को महा आरती एवं भजन संध्या का भव्य आयोजन किया गया। लिटिल बैम्बिनोज स्कूल एवं कृषि महाविद्यालय डे-स्कॉलर फैमिली के संयुक्त तत्वावधान में

आयोजित कार्यक्रम में कॉलोनी के रहवासियों, बच्चों, महिलाओं और युवाओं ने उत्साह के साथ सहभागिता की। भजन और गणपति के जयकारों से ढेर तक कॉलोनी का वातावरण भक्तिमय बना रहा भजन संध्या में स्थानीय कलाकारों ने भगवान श्री गणेश की स्तुति के साथ विभिन्न

भक्तिमय भजनों की प्रस्तुतियां दीं मधुर भजनों पर श्रद्धालुओं ने तालियों और जयकारों के साथ कलाकरों का उत्साह बढ़ाया कार्यक्रम में परमानंद श्रीवास्तव, वैभव श्रीवास्तव, श्यामकुशल सिंह तिवारी, दिनेश सिंह तिवारी, रामपाल सिंह परहार, हर्ष सिंह परहार, विजय कुमार द्विवेदी, विनय कुमार सिंह, स्तेश मिश्रा, राज कुमार द्विवेदी एवं शशिकान्त तिवारी की सहभागिता उल्लेखनीय रही। भजन संध्या के बाद भगवान श्री गणेश की महा आरती विधि-विधान और श्रद्धापूर्वक संपन्न कराई गई आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और सामूहिक रूप से गणपति की आराधना की दीपों की रोशनी के बीच ‘गणपति बप्पा मोरया’ के जयघोष से पूरा परिसर गूंज उठा श्रद्धालुओं ने परिवार और

समाज में सुख, शांति, समृद्धि एवं मंगल की कामना की महा आरती के बाद भगवान श्री गणेश को 56 प्रकार के भोग अर्पित किए गए। इसके पश्चात श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया गया छपन भोग के आयोजन ने गणेश स्थापना महोत्सव की धार्मिक और सांस्कृतिक छव को और बढ़ा दिया। आयोजकों ने बताया कि गणेश स्थापना महोत्सव का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सहभागिता, आपसी सौहार्द और सामुदायिक एकता को बढ़ावा देना है आयोजन में बच्चों और परिवारों की सक्रिय भागीदारी विशेष आकर्षण का केंद्र रही आयोजकों के अनुसार ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

शहडोल में मां की हत्या का खुलासा, बेटा गिरफ्तार



मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के सीधी थाना क्षेत्र में 55 वर्षीय विधवा महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने खुलासा करते हुए उसके बेटे को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार ग्राम दौन के बाहा टोला में हुई हत्या में मृतका प्रेम बाई अहिंवार के बेटे कौशल अहिंवार की भूमिका सामने आई है पुलिस का दावा है कि संपत्ति, नकदी और जेवर के लालच में आरोपी ने अपनी मां पर फावड़े से हमला किया था जानकारी के अनुसार प्रेम बाई अहिंवार अपने पति स्वर्गीय राम नाययण अहिंवार की मृत्यु के बाद खेत में बने मकान में अकेली रहती थीं उनके पति शिक्षक थे और वर्ष 2020 में उनका निधन हो गया था। इसके बाद से महिला इसी मकान में रह रही थीं।

18 सितंबर की रात हुई थी हत्या: पुलिस के मुताबिक 18 सितंबर की रात प्रेम बाई की हत्या कर दी गई थी अगले दिन घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची सुनसान स्थान पर बने मकान में हुई वारदात के कारण पुलिस ने इसे ब्लाइंड

मर्डर मानकर जांच शुरू की घटनास्थल की जांच के साथ पुलिस ने परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की जांच के दौरान मिले तकनीकी साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर पुलिस का संदेह परिवार के लोगों पर गया इसके बाद कौशल से पूछताछ की गई, जिसमें पुलिस के अनुसार उसकी भूमिका सामने आई।

पूछताछ में सामने आया लालच का कारण: पुलिस के अनुसार पूछताछ में कौशल ने हत्या के पीछे संपत्ति, नकदी और जेवर का लालच बताया आरोप है कि उसने फावड़े से अपनी मां के सिर पर कई वार किए और वारदात के बाद मौके से चला गया। कौशल को उसके पिता की मृत्यु के बाद अनुकंपा निगुक्ति मिली थी और वह स्कूल में भूय के पद पर कार्यरत है प्रेम बाई के दो बेटे हैं बड़ा बेटा उमरिया जिले के पाली में डाक विभाग में नौकरी करता है जबकि कौशल गांव के पुराने मकान में अलग रहता था पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

सिंगरौली के चिंगो गांव में चलती कार में लगी आग,तीन युवक थे सवार ग्रामीणों की सूझबूझ से समय रहते निकाले गए बाहर

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के बरावां थाना क्षेत्र के चिंगो गांव में बुधवार दोपहर चलती कार में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया घटना के समय कार में तीन लोग सवार थे कार से आग की लपटें उठती देख ग्रामीणों ने तत्काल मदद करते हुए तीनों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार में अचानक आग लगने के बाद कुछ ही देर में आग तेजी से फैल गई और देखते ही देखते पूरी गाड़ी आग की चपेट में आ गई आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए कार में सवार लोगों को बाहर निकाला इसके बाद स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास भी किया घटना की सूचना बरावां पुलिस को दी गई जानकारी मिलते ही पुलिस



टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया थाना प्रभारी अनिल पटेल ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड को भी मौके के लिए रवाना किया गया था हालांकि गांव का क्षेत्र होने के कारण दमकल वाहन को घटनास्थल तक पहुंचने में कुछ समय लगा। थाना प्रभारी के मुताबिक रहत की बात यह रही कि कार में सवार तीनों लोग समय रहते

बाहर निकल गए और किसी तरह की जनहानि नहीं हुई आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही समय में कार पूरी तरह जल गई। प्रारंभिक जांच में कार में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट होने की आशंका जताई जा रही है हालांकि पुलिस का कहना है कि आग लगने की वास्तविक वजह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

नीम चौराहा-स्टेडियम तिराहा सड़क की गुणवत्ता पर सवाल

यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष अनूप सिंह चंदेल ने स्वतंत्र तकनीकी जांच की मांग की, डीपीआर और निर्माण कार्य का मिलान कराने की उठाई मांग

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। 22 सितंबर शहर में मॉडल सड़कों के निर्माण को लेकर अब गुणवत्ता और निर्माण प्रक्रिया पर सवाल उठने लगे हैं नीम चौराहा से स्टेडियम तिराहा तक बनाई जा रही सड़क को लेकर यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष अनूप सिंह चंदेल ने स्वतंत्र तकनीकी जांच कराने की मांग की है उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी धन से होने वाले निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाना जरूरी है। उनका कहना है कि बेहतर और आधुनिक सड़क के नाम पर यदि निर्माण में ही गुणवत्ता से समझौता होता है तो इससे जनता के पैसे के उपयोग को लेकर सवाल खड़े होते



हैं उपलब्ध स्थानीय रिपोर्ट के अनुसार नीम चौराहा से स्टेडियम तिराहा तक सड़क निर्माण की लागत करीब 1.92 करोड़ रुपए निर्धारित की गई थी निर्माण कार्य में लागभग दो वर्ष की देरी को लेकर भी पहले सवाल उठ चुके हैं स्थानीय स्तर पर निर्माण एजेंसी तकनीकी मानकों और सड़क की गुणवत्ता को लेकर भी चर्चाएं सामने आई हैं अनूप सिंह चंदेल ने कहा कि सड़क निर्माण में

उठाए। चंदेल ने कहा कि करोड़ों रुपए की लागत से होने वाले विकास कार्यों की गुणवत्ता की निगरानी की जिम्मेदारी संबंधित विभाग और अधिकारियों की है। उन्होंने रीवा सांसद पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जनता यह जानना चाहती है कि शहर में हो रहे बड़े निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की निगरानी कौन कर रहा है। यूथ कंफेड जिलाध्यक्ष ने मांग की कि जांच के दौरान निर्माण सामग्री, सड़क की मोटाई, उपयोग की गई सामग्री और अन्य तकनीकी मानकों की भी जांच कराई जाए यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता या निर्धारित मानकों से विचलन सामने आता है तो संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसी की जवाबदेही तय की जाए।

इस्तेमाल होने वाली सामग्री की गुणवत्ता की जांच स्वतंत्र तकनीकी विशेषज्ञों से कराई जानी चाहिए इसके साथ ही स्वीकृत डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट)में निर्धारित प्रवधानों और मौके पर किए जा रहे वास्तविक निर्माण कार्य का मिलान कराया जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि निर्माण निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप हो रहा है या नहीं उन्होंने सड़क निर्माण की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल

मीडिएशन फॉर द नेशन 3.0’ के तहत जागरूकता कार्यक्रम एवं बैठक आयोजित

मध्यस्थता के जरिए विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान पर जोर, लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए बनाई कार्ययोजना

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भारत के सर्वोच्च न्यायालय की मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति द्वारा ‘मीडिएशन फॉर द नेशन 3.0 के अंतर्गत 90 दिवसीय राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान चलाया जा रहा है अभियान का उद्देश्य तहसील स्तर से लेकर जिला न्यायालय और उच्च न्यायालय तक लंबित प्रकरणों का मध्यस्थता के माध्यम से पक्षकारों की आपसी सहमति एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से समाधान सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में बुधवार को जिला न्यायालय सीधी में अभियान की रूपरेखा एवं आगामी



गतिविधियों को लेकर बैठक आयोजित की गई बैठक प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी प्रयाग लाल

दिनकर के मार्गदर्शन तथा मीडिएशन फॉर द नेशन 3.0 के नोडल अधिकारी एवं विशेष न्यायाधीश यतीन्द्र कुमार गुरु के नेतृत्व में आयोजित हुई बैठक

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के विश्राम कक्ष में हुई इसमें जिला न्यायालय सीधी के समस्त न्यायाधीशों के साथ तहसील न्यायालय चुरहट, मझौली एवं रामपुर नैकिन के न्यायाधीश वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। बैठक में अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई अधिक से अधिक लंबित प्रकरणों को मध्यस्थता के माध्यम से निराकृत कराने तथा आमजन को मध्यस्थता प्रक्रिया के लाभों की जानकारी देने पर जोर दिया गया अधिकारियों ने अभियान के दौरान आयोजित किए जाने वाले आगामी

जागरूकता कार्यक्रमों एवं अन्य गतिविधियों की रूपरेखा पर भी चर्चा की बैठक के बाद मध्यस्थता जागरूकता शिविर आयोजित किया गया नोडल अधिकारी एवं विशेष न्यायाधीश यतीन्द्र कुमार गुरु ने उपस्थितजनों को मध्यस्थता की अवधारणा, प्रक्रिया और उपयोगिता के संबंध में जानकारी दी उन्होंने बताया कि मध्यस्थता के माध्यम से विवादों का समाधान पक्षकारों की सहमति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में तलाशने का प्रयास किया जाता है उन्होंने पक्षकारों को आपसी संवाद एवं सहमति के माध्यम से विवादों के समाधान के लिए प्रेरित किया।

चित्रकला-निबंध प्रतियोगिता से लेकर स्वच्छता और श्रमदान तक, विद्यार्थियों ने दिया सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश

मड़वास महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के तहत विविध गतिविधियां



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय महाविद्यालय मड़वास में सेवा संकल्प अभियान के तहत विद्यार्थियों की सहभागिता से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ हुआ इसके बाद दीपोत्सव आयोजित कर विद्यार्थियों को सेवा भावना, राष्ट्रप्रेम और सकारात्मक सोच के लिए प्रेरित किया गया अभियान के

अंतर्गत मेरे सपनों का भारत लेखन पर चित्रकला एवं निबंध विषयन प्रतियोगिता आयोजित की गईसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी कल्पनाओं और विचारों के माध्यम से स्वच्छ, शिक्षित, आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत की परिकल्पना को सामने रखा प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को देश के विकास और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया गया।

सिंगरौली में NTPC की ऐश पाइपलाइन फटी, सड़क पर फैली राख

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले मेंएनटीपीसी विंध्याचल को फ्लाई ऐश पाइपलाइन बुधवार को खराब होकर फट गई पाइपलाइन से निकली बड़ी मात्रा में फ्लाई ऐश मुख्य सड़क पर फैल गई जिससे सड़क पर आवागमन प्रभावित हो गया राख के कारण रास्ते पर फिसलन की स्थिति बन गई और बाइक सवारों को परेशानी का सामना करना पड़ा आसपास के ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को भी आवाजाही में दिक्कतें हुईं। पाइपलाइन फटने के बाद सड़क पर काफी दूर तक राख और गंदगी फैल गई राख के कारण दोपहिया वाहन चालकों के फिसलने का खतरा बना रहा स्थानीय लोगों के अनुसार कई बाइक चालक हादसे की स्थिति से बाल-बाल बचे सड़क से होकर स्कूल जाने वाले बच्चों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।



परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स में सीधी लगातार दूसरे वर्ष प्रदेश में प्रथम

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा जारी परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स रिपोर्ट में सीधी जिले ने लगातार दूसरे वर्ष मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है जिले ने निर्धारित 600 अंकों में से 333 अंक प्राप्त किए हैं वर्ष 2024-25 में भी सीधी जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा था इस उपलब्धि का उल्लेख एवं सराहना 21 सितंबर को भोपाल स्थित नरोन्हा प्रशासन अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में किया गया कार्यक्रम में प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला परियोजना समन्वयकों, अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयकों एवं प्रोग्रामर्स ने भाग लिया इस दौरान भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव, संचालक, अपर परियोजना संचालक तथा यूनिसेफ के अधिकारियों की मौजूदगी में सीधी जिले की उपलब्धि को रेखांकित किया गया एपीसी रमसा डॉ. सुजीत कुमार मिश्रा ने बताया कि परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स जिलों में स्कूली शिक्षा व्यवस्था के प्रदर्शन का आकलन करने वाला राष्ट्रीय सूचकांक है वर्तमान पीजीआई डॉके में 70 इंडिकेटर्स और कुल 600 अंक निर्धारित हैं जिले का मूल्यांकन छह क्रिया क्षेत्रों के आधार पर किया गया। इसमें विद्यार्थियों के सीखने के परिणाम, कक्षा शिक्षण की प्रभावशीलता, अधोसंरचना एवं विद्यार्थी सुविधाएं, विद्यालय सुरक्षा एवं बाल संरक्षण, डिजिटल शिक्षा तथा प्रशासन एवं प्रबंधन प्रक्रियाएं शामिल हैं।

सभी के लिए भारत

संपादकीय

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत के हालिया अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन दौरे के दौरान व्यक्त विचार न केवल संघ के कटु आलोचकों, बल्कि संघ के वृहत्तर संगठनों में सक्रिय परंपरावादियों के लिए भी कुछ अचरज भरे रहे। न्यूयार्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन और अन्य आयोजनों में सरसंघचालक द्वारा बहुलतावाद और विविधता की महत्ता का बखान सुनकर संघ के विरोधी यकीनन अवाक रह गए होंगे। जब संघ जब अपनी स्थापना के सौ

वर्ष पूरे कर रहा है, तब कट्टरपंथियों और छत्र-पंथनिरपेक्षतावादियों के विपरीत नैरेटिव को लपक कर आगे बढ़ने वाले संघ विरोधियों को यह सुनकर तगड़ा झटका लगा होगा कि भागवत समानता, बंधुत्व और बहुलता को लोकतांत्रिक जीवन का मूल आधार बता रहे हैं।

इससे भी अधिक उल्लेखनीय उनका विविधता को हिंदू चिंतन का आत्मा बताना और यह रेखांकित करना रहा कि भारत में एक उदार लोकतंत्र के सभी गुण इसीलिए समाहित हैं,

क्योंकि ये मूल्य उसकी सभ्यतागत जड़ों से ही उपजे हैं। इस दौरान उनका यह बयान बहुत चर्चित रहा कि ‘भारत में कोई मुस्लिम नहीं होना चाहिए, ऐसा सोचने वाला सच्चा हिंदू नहीं हो सकता।’ ‘सच्चे हिंदू’ की उनकी यह परिभाषा समूचे संघ परिवार के लिए समग्रता से परिपूर्ण सतर्कता संदेश की भांति होनी चाहिए। विशेष रूप से कुछ अनुषंगी संगठनों और

मतावलंबियों के विरुद्ध अप्रिय टिप्पणियां करने से बाज नहीं आते। भागवत की टिप्पणी वस्तुतः शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की हिमायत करने वाली है।

यदि उनके इस विचार को आत्मसात कर मूर्त रूप दिया गया तो इससे सामाजिक समरसता का भाव बहुत सशक्त होगा। न्यूयार्क में आयोजित जिस अंतरराष्ट्रीय धार्मिक सम्मेलन में भागवत ने भाग लिया, उसमें एक पांच-सूत्रीय कार्ययोजना एवं प्रस्ताव पर भी सहमति बनी। इस प्रस्ताव में

‘घृणा, हिंसा या अमानवीयकरण को जायज ठहराने के लिए पंथ के इस्तेमाल’ जैसी अवधारणाओं का पुरजोर विरोध किया गया। यह रुख भारत के संवैधानिक जनादेश के ही अनुकूल है, जो धर्म को संवैधानिक एवं मानवीय मूल्यों से ऊपर रखने तथा अन्य मतावलंबियों के विरुद्ध नफरत या हिंसा को बढ़ावा देने का स्पष्ट विरोध करता है। सावभौमिक एकात्मता के प्रसार को प्रोत्साहन से जुड़े इस आयोजन में भागवत का संबोधन इन्हीं बिंदुओं पर केंद्रित भी रहा।

हरित खेती का हिसाब खेत से मंडी तक किसान की जेब में कितना बचा

मौसम अब सिर्फ मौसम नहीं रहा। किसान के लिए यह उसकी फसल का हिसाब है। बारिश कब होगी, कितनी होगी, गर्मी कितनी पड़ेगी और फसल पकने के समय मौसम साथ देगा या नहीं—इन सवालों के जवाब पहले जैसे तय नहीं रहे। किसान जलवायु परिवर्तन को किसी रिपोर्ट या सम्मेलन की भाषा में नहीं समझता। वह इसे खेत में महसूस करता है। कमी फसल के नुकसान में, कमी बढ़ती सिंचाई लागत में और कमी एक ही मौसम में बदलते फसलों में। 19 सितंबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय हरित अधिकरण यानी ह्रत्नञ्ज के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ‘द पय्चर ऑफ एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट डायनेमिक्स’ का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के भारत के प्रयासों की तस्वीर सामने रखी।



खेती की लागत कितनी कम हुई? फसल कितनी सुरक्षित हुई? और सबसे आखिर में—उसके हाथ में कितना बचा? यहीं से पर्यावरण की चर्चा किसान की अर्थव्यवस्था से जुड़ती है। किसान को बीज, खाद, कीटनाशक, डीजल, बिजली और मजदूरी का खर्च उठाना पड़ता है। ऊपर से मौसम का जोखिम। ऐसे में प्राकृतिक खेती से अगर बाहरी इनपुट पर निर्भरता घटती है और मिट्टी की सेहत सुधरती है तो यह किसान के लिए राहत हो सकती है। सरकार भी राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन को लागत कम करने, मिट्टी की स्वास्थ्य सुधारने और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने से जोड़ती है। इस मिशन के तहत किसानों को दो वर्षों तक प्रति एकड़ सालाना चार हजार रुपये का उत्पादन आधारित प्रोत्साहन भी दिया जाता है, अधिकतम एक एकड़ तक। लेकिन किसान के सामने एक और सवाल है कि बदलाव का जोखिम कौन उठाएगा? अगर वह खेती का तरीका बदलता है और शुरुआती दौर में उपज प्रभावित होती है तो क्या होगा? नई पद्धति की जानकारी नहीं है तो कौन साथ खड़ा होगा? और प्राकृतिक तरीके से पैदा की गई फसल बाजार में पहुंचने के बाद क्या सामान्य फसल की तरह ही बिकेगी या किसान को कोई अतिरिक्त लाभ मिलेगा?

ये छोटे सवाल नहीं हैं। इसीलिए प्राकृतिक खेती की बहस को सिर्फ ‘रासायनिक बनाम प्राकृतिक’ के खांचे में रखना ठीक नहीं होगा।



यही ऋच्यस्वरू जैसी योजना का महत्व सामने आता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2 अप्रैल 2026 तक कृषि उपयोग के लिए करीब 11.49 लाख ऑफ-ग्रिड सोलर पंप लगाए जा चुके थे और 21.77 लाख से अधिक किसान इससे लाभान्वित हुए थे। योजना का उद्देश्य सिंचाई के लिए भरोसेमंद बिजली उपलब्ध कराना और डीजल पर निर्भरता कम करना भी है। यहां पर्यावरण और किसान की जेब एक साथ दिखाई देती है। अगर सौर ऊर्जा से सिंचाई का खर्च घटता है तो उसका फायदा किसान को है। लेकिन सोलर पंप लगाने की शुरुआती लागत, जमीन और पानी की उपलब्धता और योजना तक पहुंच भी उतने ही महत्वपूर्ण सवाल हैं। किसी योजना का आंकड़ा बड़ा हो सकता है, लेकिन किसान तक उसकी पहुंच कैसी है, यह अलग सवाल है। फसल विविधीकरण भी इसी कड़ी का हिस्सा है।

पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में सरकार का फसल विविधीकरण कार्यक्रम धान जैसी अधिक पानद्वी लेने वाली फसलों से कुछ क्षेत्र को दलहन, तिलहन, मोटे अनाज और दूसरी फसलों की ओर ले जाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। इसका मकसद पानी की कलह के साथ मिट्टी और प्राकृतिक संसाधनों पर

दबाव कम करना भी है। लेकिन यहां फिर वही सवाल लौटता है। किसान धान छोड़कर दूसरी फसल क्यों लगाएगा? सिर्फ इसलिए कि वह पानी कम लेती है? किसान के लिए फसल का बाजार भी उतना ही जरूरी है। अगर वैकल्पिक फसल में पानी कम लगता है लेकिन खरीद की व्यवस्था कमजोर है, कीमत अनिश्चित है या उपज बेचने के लिए दूर जाना पड़ता है, तो किसान के लिए फसला आसान नहीं होगा। दृष्टक़र्ने भी हाल के अध्ययन में अलग-अलग इलाकों में पानी की उपलब्धता, मिट्टी, जलवायु और बाजार के अवसरों को ध्यान में रखते हुए स्थानीय परिस्थितियों के मुताबिक फसल विविधीकरण पर जोर दिया है। यानी एक ही फार्मूला पूरे देश के लिए नहीं हो सकता। यही बात जलवायु-अनुकूल फसलों पर लागू होती है। प्रधानमंत्री ने करीब तीन हजार जलवायु-अनुकूल किस्मों के विकास का उल्लेख किया है। बदलते मौसम में ऐसी किस्मों की जरूरत निश्चित रूप से बढ़ेगी। लेकिन नई किस्म विकसित हो जाना और किसान द्वारा उसे बड़े पैमाने पर अपनाया जाना दो अलग बातें हैं। किसान को बीज, प्रशिक्षण, स्थानीय सलाह और बाजार—चारों चाहिए।

किसान की भाषा में सवाल बहुत सीधा है—मौसम खराब हुआ तो फसल बचेगी? और फसल बची तो दाम मिलेगा? जल संरक्षण की

योजनाओं को भी इसी नजर से देखने की जरूरत है। अमृत सरोवर बने, वर्षाजल संचयन की संरचनाएं बनीं—यह अच्छी शुरुआत है। लेकिन उसके बाद का हिसाब भी होना चाहिए। तालाब में पानी कितना ठहरा? भूजल कितना सुधरा? कितने खेतों को फायदा हुआ? किसान की सिंचाई लागत कितनी कम हुई? योजनाओं की सफलता का अगला चरण यहीं से शुरू होता है। पर्यावरण बचाने की जिम्मेदारी किसान पर डालना आसान है। उससे कहा जा सकता है कि पानी बचाइए, पराली मत जलाइए, रासायनिक इनपुट कम कीजिए, फसल बदलकर देखिए। लेकिन हर बदलाव की एक कीमत भी होती है। वह कीमत कौन उठाएगा? अगर किसान पराली नहीं जलाता तो उसे मशीन और प्रबंधन की जरूरत है। अगर वह पानी कम लेने वाली फसल अपनाता है तो बाजार चाहिए। अगर वह प्राकृतिक खेती की ओर जाता है तो शुरुआती दौर में प्रशिक्षण और आर्थिक सहारा चाहिए। इसलिए हरित खेती को केवल पर्यावरणीय लक्ष्य बनाकर नहीं देखा जा सकता। यह किसान की अर्थव्यवस्था का भी सवाल है। प्रधानमंत्री ने ह्रत्नञ्ज सम्मेलन में भारत की पर्यावरणीय पहलों को जिस व्यापक तस्वीर में रखा, उसमें खेती और गांव महत्वपूर्ण हिस्से हैं। लेकिन उस तस्वीर की असली परीक्षा वही होगी जहां कोई सम्मेलन नहीं होगा। गांव में। खेत में। मंडी में। वहां किसान अपने तरीके से हिसाब करेगा—कितना खर्च हुआ, कितनी फसल हुई और कितने पैसे मिले। यही कारण है कि हरित खेती की सफलता का पैमाना केवल प्राकृतिक खेती का बड़वा क्षेत्रफल, बनाए गए जलाशयों की संख्या या विकसित की गई फसल किस्मों की गिनती नहीं हो सकता। इनके साथ यह भी देखना होगा कि किसान की लागत कितनी घटी, उसकी फसल का जोखिम कितना कम हुआ, पानी और मिट्टी की स्थिति में कितना सुधार आया और अंततः उसकी आमदनी पर क्या असर पड़ा।

किसान को पर्यावरण बचाने का जिम्मेदार भागीदार बनाइए। लेकिन उसके हिस्से का आर्थिक लाभ भी सुनिश्चित कीजिए। क्योंकि किसान के लिए हरित खेती का मतलब केवल फसल का हरा होना नहीं है। मिट्टी बचे। पानी बचे। खेत बचे। लागत घटे। बाजार मिले। और किसान के हाथ में अंत में कुछ बचे—तभी हरित खेती की तस्वीर पूरी होगी।

राष्ट्रीय सेवा योजना के 57 वर्ष : सेवा से व्यक्तित्व और चरित्र निर्माण की यात्रा

सेवा, संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी के माध्यम से युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने वाली एनएसएस की यात्रा पूरी हुई 57 वर्ष



रीवा राष्ट्र निर्माण केवल बड़ी योजनाओं और संस्थानों से नहीं, बल्कि जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिकों के योगदान से होता है भारत जैसे युवा देश में युवाओं की ऊर्जा को समाज और राष्ट्र निर्माण से जोड़ना बेहद महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य के साथ 24 सितंबर 1969 को महात्मा गांधी की जन्मशती वर्ष के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की शुरुआत हुई थी 37 विश्वविद्यालयों और करीब 40 हजार स्वयंसेवकों से शुरू हुई यह यात्रा 24 सितंबर 2026 को 57 वर्ष पूर्ण कर रही है राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल उद्देश्य विद्यार्थी युवाओं के व्यक्तित्व एवं चरित्र का विकास करना है इसका मूल मंत्र है—सेवा के माध्यम से शिक्षा और शिक्षा के माध्यम से समाज सेवा एनएसएस विद्यार्थियों को कितानों की शिक्षा के साथ समाज के बीच जाकर सीखने का अवसर देती है स्वयंसेवक ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों की समस्याओं को समझते हैं, श्रमदान करते हैं और सामाजिक जागरूकता से जुड़े कार्यों में भाग लेते हैं। एनएसएस की गतिविधियों में साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण, पौधारोपण, स्वच्छता, प्लास्टिक मुक्त अभियान, बाल संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता, रक्तदान तथा



सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता जैसे कार्य शामिल रहे हैं विशेष शिविरों के माध्यम से विद्यार्थियों को गांवों और समुदायों के बीच रहने तथा स्थानीय समस्याओं को नजदीक से समझने का अवसर मिलता है इससे उनमें नेतृत्व, संवेदना, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे गुण विकसित होते हैं समय

सैनिकाइजर और जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से लोगों तक सहायता पहुंचाने का प्रयास किया।

विविधता में एकता का अनुभव: राष्ट्रीय एकता शिविरों और विभिन्न स्तरों के कार्यक्रमों में भाग लेकर विद्यार्थी देश के अलग-अलग राज्यों की भाषा, संस्कृति और परंपराओं को समझते हैं। इससे उनमें राष्ट्रीय एकता और विविधता के प्रति सम्मान की भावना मजबूत होती है। एनएसएस की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में यह परिवर्तन भी शामिल है, जिसमें विद्यार्थी धीरे-धीरे मैं से हम की भावना की ओर बढ़ता है। डिजिटल युग में एनएसएस के सामने सेवा कार्यों को नए माध्यमों से युवाओं तक पहुंचाने के अवसर भी बढ़े हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म और युवा-केंद्रित कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक सहभागिता का दायरा और व्यापक किया जा सकता हालांकि माध्यम बदलने के बावजूद एनएसएस की मूल भावना सेवा, संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी ही बनी रहती है।

सेवा ही व्यक्तित्व निर्माण का आधार: एनएसएस के शिविर से लौटने वाला विद्यार्थी केवल प्रमाण-पत्र लेकर नहीं लौटता, बल्कि उसके साथ अनुभव,

नेतृत्व क्षमता, संवेदना और समाज को समझने का दृष्टिकोण भी विकसित होता है कोई विद्यार्थी किसी बच्चे को पढ़ाता है कोई पौधा लगाकर उसकी देखभाल करता है कोई गांव में श्रमदान करता है या किसी सामाजिक समस्या पर जागरूकता फैलाता है—ये छोटे प्रयास सामूहिक रूप से बड़ी सामाजिक शक्ति का निर्माण करते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के 57 वर्ष पूरे होना केवल अतीत की उपलब्धियों को याद करने का अवसर नहीं बल्कि भविष्य के लिए युवा शक्ति को और अधिक सामाजिक सरोकारों से जोड़ने का संकल्प लेने का अवसर भी है आज आवश्यकता ऐसे युवाओं की है जो शिक्षित और सफल होने के साथ संवेदनशील तथा जिम्मेदार नागरिक भी बनें। महात्मा गांधी के सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी के आदर्श तथा स्वामी विवेकानंद के युवा जागरण के संदेश से प्रेरित एनएसएस का मूल भाव स्वयं से पहले आप आज भी प्रासंगिक है। सेवा से व्यक्ति का व्यक्तित्व विकसित होता है व्यक्तित्व से चरित्र बनता है और चरित्र से राष्ट्र की शक्ति निर्मित होती है एनएसएस की 57 वर्षों की यात्रा इसी विचार को समाज और युवा पीढ़ी तक पहुंचाने की सतत कोशिश है।

आयुर्वेद दिवस पर एमसीबी में गूँजा स्वस्थ जीवन का संदेश

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयुष स्वास्थ्य शिविर में 800 से अधिक लोगों ने उठाया सेवाओं का लाभ

योग-ध्यान, संतुलित आहार और प्राकृतिक जीवनशैली अपनाने की दी गई सीख

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निग्र)। जिले में 11वें आयुर्वेद दिवस एवं सेवा संकल्प अभियान के अवसर पर आयुष विभाग द्वारा आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनेन्द्रगढ़ के भगत सिंह चौक में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम एवं विशाल आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस वर्ष आयुर्वेद दिवस की थीम आयुर्वेद फॉर ए हेल्दी टुमॉरो’ यानी स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद रखी गई। आयोजन में नागरिकों, ग्रामीण जनों जनप्रतिनिधियों तथा आयुष विभाग के चिकित्सकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। शिविर में 800 से अधिक लोगों ने विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं एवं जागरूकता



गतिविधियों का लाभ उठाया। इनमें 430 लोगों ने आयुर्वेद चिकित्सा परामर्श 110 लोगों ने होम्योपैथी चिकित्सा परामर्श लिया जबकि 240 लोगों को इम्युनिटी काढ़ा वितरित किया गया। यज्ञ कार्यक्रम का उद्देश्य आयुर्वेद को केवल उपचार की पद्धति तक सीमित न रखते हुए स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली से जोड़ना रहा। नागरिकों को

संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, योग, ध्यान, पर्याप्त विश्राम, सकारात्मक सोच तथा प्रकृति के अनुरूप जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ की अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा यादव सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भगवान धन्वंतरि के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने तथा भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के महत्व को समझते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। विशाल आयुष स्वास्थ्य शिविर में आयुर्वेद एवं होम्योपैथी चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। चिकित्सकों ने नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को सुनकर आवश्यक परामर्श दिया तथा जरूरत के अनुसार निःशुल्क औषधियों का वितरण किया। शिविर में 430 लोगों ने आयुर्वेद चिकित्सा तथा 110 लोगों ने होम्योपैथी चिकित्सा परामर्श प्राप्त किया। वहीं 240 लोगों को इम्युनिटी काढ़ा प्रदान किया गया। चिकित्सकों ने उपचार के साथ रोगों से बचाव, संतुलित खान-पान, नियमित

दिनचर्या, पर्याप्त नींद, शारीरिक गतिविधि और मानसिक तनाव को नियंत्रित रखने के संबंध में भी आवश्यक जानकारी दी। कार्यक्रम की विशेष गतिविधियों में नागरिकों को अपनी आयुर्वेद प्रकृति जानने का अवसर मिला। विशेषज्ञों ने बताया कि व्यक्ति को शारीरिक आवश्यकताओं के अनुसार खान-पान एवं दिनचर्या में संतुलन बनाए रखना स्वस्थ जीवनशैली के लिए उपयोगी हो सकता है। नागरिकों को दैनिक

जीवन की छोटी-छोटी आदतों में सकारात्मक बदलाव लाने और स्वास्थ्य के प्रति निरंतर सजग रहने के उपाय भी बताए गए। शिविर में रसोई घर से स्वास्थ्य की अवधारणा भी आकर्षण का केंद्र रही। नागरिकों को बताया गया कि घर की रसोई में उपलब्ध अनेक खाद्य पदार्थ और प्राकृतिक संसाधन संतुलित एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने में उपयोगी हो सकते हैं।



सेवा संकल्प अभियान: केल्हारी और पसौरी में ग्रामीणों ने सीखे जल शुद्धता जांचने के गुर

FTK किट से महिलाओं ने खुद जांची पानी की गुणवत्ता, जल संरक्षण और सुरक्षित पेयजल को लेकर किया जागरूक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निग्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल और जल संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम केल्हारी स्थित आंगनबाड़ी केंद्र एवं ग्राम पंचायत भवन पसौरी में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (PHE) द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत विशेष जल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों एवं स्व-सहायता समूह (SHG) की महिलाओं को जल गुणवत्ता की जांच, जल स्रोतों के रख-रखाव, स्वच्छ पेयजल और जल संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें स्थानीय स्तर पर जल सुरक्षा को लेकर अधिक सक्षम बनाना रहा। कार्यक्रम की सबसे खास गतिविधि रही फील्ड टेस्ट किट (FTK) से जल गुणवत्ता जांच का व्यावहारिक प्रशिक्षण। विभागीय प्रशिक्षकों ने ग्रामीणों और महिलाओं को खड्ड के माध्यम से पानी की गुणवत्ता जांचने की पूरी प्रक्रिया समझाई। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं ने स्वयं पानी के नमूने लेकर उनकी जांच की



और pH मान, कठोरता, आयरण, नाइट्रेट एवं बैक्टीरिया जैसे विभिन्न मानकों की जांच करने की प्रक्रिया सीखी। प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीणों को केवल जानकारी देना नहीं बल्कि उन्हें अपने गांव में पेयजल की गुणवत्ता की प्रारंभिक जांच करने के लिए व्यावहारिक रूप से सक्षम बनाना रहा। इस प्रशिक्षण के बाद ग्रामीण जल गुणवत्ता को लेकर अधिक सजग होकर अपने आसपास के पेयजल स्रोतों की निगरानी में सक्रिय भूमिका निभा सकेंगे। कार्यक्रम में ग्रामीणों को समझाया गया कि सुरक्षित पेयजल सीधे तौर पर परिवार के

स्वास्थ्य से जुड़ा है। दूषित पानी के सेवन से होने वाली विभिन्न जल जनित बीमारियों से बचाव के लिए पेयजल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखना जरूरी है। ग्रामीणों को पानी की आवश्यकतानुसार उबालकर छानकर अथवा सुरक्षित तरीके से शुद्ध कर उपयोग करने की सलाह दी गई। साथ ही जल स्रोतों के आसपास गंदगी एवं जल जमाव नहीं होने देने तथा सूखे, कीड़े-पतंग, कुएं और अन्य पेयजल स्रोतों को स्वच्छ रखने के व्यावहारिक उपाय बताए गए। प्रशिक्षण के दौरान जल संरक्षण और जल संवर्धन पर भी विशेष जोर दिया गया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम आयोजित

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को लेकर विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को दिए मार्गदर्शन, लक्ष्य तय कर नियमित अध्ययन पर दिया जोर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निग्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत युवाओं को शिक्षा, रोजगार एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बेहतर दिशा देने के उद्देश्य से शासकीय विवेकाद्व स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मनेन्द्रगढ़ में कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। विद्यार्थियों को संघ लोक सेवा आयोग (UPSC), छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (CGPSC) सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, अध्ययन की रणनीति, समय प्रबंधन और लक्ष्य निर्धारण के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर सुश्री संतन



देवी जांगड़े, अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, एसडीएम लिंगराज सिदार, डिप्टी कलेक्टर स्वप्निल वर्मा, सुश्री नेहा खलखो एवं डॉ. प्रशांत अग्रवाल महाविद्यालय की अनुरूप कैरियर का चयन करने तथा निर्धारित लक्ष्य के लिए चरणबद्ध अध्ययन योजना तैयार करने के लिए प्रेरित किया गया। विशेषज्ञों ने UPSC एवं CGPSC

जैसी परीक्षाओं की प्रकृति प्रारंभिक परीक्षा मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार सहित चयन प्रक्रिया के विभिन्न चरणों की जानकारी दी। साथ ही सामान्य अध्ययन, समसामयिक घटनाक्रम, भाषा, तर्कशक्ति एवं विषयवार तैयारी के महत्व को समझाया गया। विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन के लिए दैनिक समय-सारणी बनाने विषयों के अनुसार समय निर्धारित करने तथा कठिन विषयों पर अतिरिक्त ध्यान देने की सलाह दी गई। परीक्षा की तैयारी के दौरान नोस्ट्रस बनाने, पुराने प्रश्नपत्र हल करने, मॉक टेस्ट देने और नियमित पुनरावृत्ति को अध्ययन का हिस्सा बनाने पर जोर दिया गया। विद्यार्थियों को यह भी बताया गया।

मगरमच्छ के डर से अधूरी रह गई अवैध खनन की जांच, 3 एकड़ में हुई गहरी खुदाई

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निग्र)। जिले के बागार क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध मिट्टी और मृम उत्खनन का मामला सामने आया है। फॉरेस्ट सीमा से करीब 50 मीटर दूर राजस्व भूमि पर करीब 3 एकड़ क्षेत्र में 10 से 12 फीट तक गहरी खुदाई कर मिट्टी निकाले जाने के आरोप हैं। गड्डों में पानी भरने से यहां तालाब जैसी स्थिति बन गई है। मौके पर पोक्लेन मशीन के निशान भी दिखाई दे रहे हैं। मामले की जांच के लिए पहुंचे राजस्व विभाग के आरआई और पटवारी पानी भरे गड्डों में मगरमच्छ होने की सूचना मिलने के बाद सर्वे अधूरा छोड़कर लौट गए। आरआई मोहनप्रसाद दुबे के अनुसार मौके पर मगरमच्छ दिखाई नहीं दिए, लेकिन स्थानीय लोगों ने उनके होने की जानकारी दी थी। इस कारण सुरक्षा को देखते हुए टीम वहां से लौट गई। जांच अभूरी रहने के कारण यह स्पष्ट नहीं हो सका कि क्षेत्र में कितनी खुदाई पुरानी और कितनी

हाल की है। आरआई ने मौके पर हुई खुदाई को प्राथमिक तौर पर पुराना बताया है। वहीं फॉरेस्ट विभाग के अनुसार बड़े स्तर पर अवैध खनन के निशान भी दिखाई दे रहे हैं। मामले की जांच के लिए पहुंचे राजस्व विभाग के आरआई और पटवारी पानी भरे गड्डों में मगरमच्छ होने की सूचना मिलने के बाद सर्वे अधूरा छोड़कर लौट गए। आरआई मोहनप्रसाद दुबे के अनुसार मौके पर मगरमच्छ दिखाई नहीं दिए, लेकिन स्थानीय लोगों ने उनके होने की जानकारी दी थी। इस कारण सुरक्षा को देखते हुए टीम वहां से लौट गई। जांच अभूरी रहने के कारण यह स्पष्ट नहीं हो सका कि क्षेत्र में कितनी खुदाई पुरानी और कितनी

नर्मदा तट से 300 मीटर क्षेत्र में निर्माण पर रोक, अमरकंटक में नगर परिषद ने लगाया जागरूकता बोर्ड

एनजीटी के निर्देशों का हवाला देकर लोगों से नियमों के पालन की अपील, नर्मदा की पवित्रता और पर्यावरण संरक्षण पर जोर



मीडिया ऑडीटर, अनुपपुर (निग्र)। नर्मदा नदी के उद्गम स्थल अमरकंटक में पर्यावरण संरक्षण को लेकर नगर परिषद ने बुधवार को जागरूकता अभियान शुरू किया। नगर परिषद की ओर से नर्मदा नदी तट से 300 मीटर तक के क्षेत्र में निर्माण कार्य प्रतिबंधित होने की जानकारी देने वाला जागरूकता बोर्ड लगाया गया। बोर्ड के माध्यम से आम लोगों

और भवन निर्माताओं से प्रतिबंधित क्षेत्र में किसी भी प्रकार का निर्माण नहीं करने की अपील की गई है। नगर परिषद द्वारा लगाए गए बोर्ड में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के निर्देशों का हवाला देते हुए निर्माण संबंधी प्रतिबंध की जानकारी दी गई है। साथ ही लोगों से निर्धारित नियमों का पालन करने और नर्मदा तट के संरक्षण में सहयोग करने की अपील की गई है। नगर परिषद अमरकंटक के सीएमओ चैन सिंह परस्ते ने बताया कि जागरूकता बोर्ड लगाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को निर्माण संबंधी प्रतिबंध और पर्यावरण संरक्षण के नियमों की जानकारी देना है। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित क्षेत्र की सीमा, लागू नियमों और किसी निर्माण की अनुमति से संबंधित मामलों में संबंधित विभाग के आधिकारिक निर्देशों का पालन किया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि नर्मदा तट की पवित्रता, प्राकृतिक स्वरूप और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए

नियमों का पालन और लोगों में जागरूकता जरूरी है। अमरकंटक में नर्मदा नदी और उसके आसपास के क्षेत्र के संरक्षण को लेकर एनजीटी की ओर से पहले भी निर्देश दिए जा चुके हैं। वर्ष 2016 में अमरकंटक में अतिक्रमण और प्रदूषण से जुड़े विषयों पर बैठक आयोजित की गई थी। इसमें स्थानीय नागरिकों साधु-संतों और पर्यावरणविदों से सुझाव लिए गए थे। वर्ष 2017 में नर्मदा सेवा यात्रा के समापन समारोह से पहले एनजीटी की सेंट्रल जोन बेंच ने अनुपपुर कलेक्टर और नगर पंचायत को तलब किया था। प्रशासन को श्रद्धालुओं के बीच लोस अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने अस्थायी शौचालय की व्यवस्था करने तथा नदी में प्लास्टिक और गंदगी जाने से रोकने के निर्देश दिए गए थे। अब नगर परिषद द्वारा लगाए गए बोर्ड के जरिए नर्मदा तट के संरक्षण के नियमों की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाई जा रही है।

8 साल से अधूरे फ्लाईओवर के काम ने पकड़ी रफ्तार, 2 महीने बाद रेलवे फाटक पर शुरू हुआ निर्माण

इंदिरा तिराहा पर रीटेनिंग वॉल का काम शुरू, कोतवाली तिराहा पर मिट्टी भराई और ढलाई जारी

प्रभारी मंत्री ने 11 अक्टूबर तक पूरा करने के लिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, अनुपपुर (निग्र)। जिला मुख्यालय के रेलवे फाटक पर करीब आठ साल से निर्माणाधीन रेलवे फ्लाईओवर के काम में अब तेजी दिखाई देने लगी है। करीब दो महीने से बंद इंदिरा तिराहा रेलवे फाटक मार्ग पर बुधवार से रीटेनिंग वॉल का निर्माण शुरू कर दिया गया। सुबह से मशीनों और मजदूरों की मदद से मिट्टी की खुदाई सहित अन्य निर्माण कार्य किए गए। वहीं कोतवाली तिराहा रेलवे फाटक की ओर रीटेनिंग वॉल पर मिट्टी भरने और ढलाई का काम भी जारी है। फ्लाईओवर निर्माण की धीमी गति को लेकर पिछले दिनों प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार ने निर्माण स्थल का



निरीक्षण किया था। उन्होंने निर्माण एंजेंसी और ठेकेदार को मैनपावर तथा मशीनरी बढ़ाकर काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। मंत्री ने 11 अक्टूबर तक फ्लाईओवर का काम पूरा करने का लक्ष्य

निर्धारित किया है। बारिश और पाइपलाइन बनी बाधा पुल एवं संतु निगम शहडोल के इंजीनियर गोपीकृष्ण चतुर्वेदी के अनुसार लगातार बारिश और नगरपालिका की पानी की पाइपलाइन शिफ्ट



नहीं होने के कारण रीटेनिंग वॉल का काम शुरू होने में देरी हुई। अब पाइपलाइन संबंधी बाधाओं को दूर कर निर्माण कार्य आगे बढ़ाया जा रहा है। ठेकेदार को अतिरिक्त मैनपावर लगाने और

मशीनरी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। हर 4-5 दिन में होगी निर्माण की समीक्षा। प्रभारी मंत्री ने निरीक्षण के दौरान एसडीएम अनुपपुर प्राणी अक्वाल को हर चार से पांच दिन में निर्माण स्थल

का निरीक्षण करने और कार्य की प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन अब निर्माण की गति पर लगातार नजर रखेगा, ताकि निर्धारित समय सीमा में काम पूरा कराया जा सके। 2017 में शुरू हुआ था निर्माण। अनुपपुर रेलवे फाटक पर फ्लाईओवर का निर्माण वर्ष 2017 में शुरू हुआ था। इसे निर्धारित समय में पूरा किया जाना था। लेकिन प्रशासनिक, भूमि संबंधी और निर्माण कार्यों से जुड़ी विभिन्न अड़चनों के कारण परियोजना करीब आठ साल से अधूरी है। अब रीटेनिंग वॉल समेत अन्य हिस्सों में काम तेज होने से इसके जल्द पूरा होने की उम्मीद बढ़ी है।



मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निग्र)। नर्मदापुरम में 37 वर्षीय महिला ने पुलिस विभाग में पदस्थ कांस्टेबल सोमिल स्वसेना पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। महिला की शिकायत पर सिटी कोतवाली पुलिस ने मंगलवार देर रात आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया। बुधवार को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। एसपी साई कृष्ण एस. थोटा ने कांस्टेबल को निर्वासित भी कर दिया है। पुलिस के मुताबिक महिला नर्मदापुरम से करीब 15 किलोमीटर दूर एक गांव की रहने वाली है। करीब एक साल पहले कांस्टेबल सोमिल ने उसे नर्मदा तक लिफ्ट दी थी। इसी दौरान दोनों की पहचान हुई। और मोबाइल नंबर का आदान-प्रदान हुआ। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत होने लगी। महिला का आरोप है कि कुछ समय बाद

कांस्टेबल ने अपने भाई के इलाज के लिए रुपए की जरूरत बताई। इस पर उसने करीब 10 ग्राम के जेवर उसे दे दिए। महिला के अनुसार, जब उसने जेवर वापस मांगे तो आरोपी ने गहने लौटाने के बहाने उसे अपने घर बुलाया। वहां उसके साथ जबरदस्ती की गई। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि घटना दो-तीन बार हुई। जेवर वापस नहीं मिलने पर महिला ने सिटी कोतवाली पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। एसपी ने बताया कि आरोपी पुलिस विभाग में कांस्टेबल है और पुलिस लाइन में पदस्थ है। वह फरवरी से कार्यालय से गैरहाजिर चल रहा था। पुलिस के अनुसार, उसे वर्ष 2022 में अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। मामले में पुलिस आगे की जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

इटारसी-भोपाल एक्सप्रेस 7 दिन दमोह तक ही चलेगी

बीना में तीसरी रेल लाइन के काम से 9 से 15 अक्टूबर तक आंशिक रद्द रहेगी



इटारसीमीडिया ऑडीटर, (निप्र)। बीना रेलवे स्टेशन पर तीसरी लाइन के निर्माण कार्य के चलते रेल यातायात प्रभावित रहने वाला है। पश्चिम मध्य रेलवे ने 9 से 15 अक्टूबर के बीच इटारसी-भोपाल एक्सप्रेस समेत कई प्रमुख ट्रेनों के रूट में बदलाव किया है और कुछ को आंशिक रूप से रद्द किया है। इस फेरबदल से इटारसी, भोपाल और आसपास के यात्रियों की परेशानियां बढ़ सकती हैं। रेलवे के अनुसार ट्रेन नंबर 11271 इटारसी-भोपाल एक्सप्रेस 9 से 15 अक्टूबर तक दमोह स्टेशन पर ही अपनी यात्रा समाप्त करेगी। यह ट्रेन दमोह से आगे भोपाल की तरफ नहीं जाएगी। ठीक इसी तरह वापसी में ट्रेन नंबर 11272 भोपाल-इटारसी एक्सप्रेस भोपाल के बजाय दमोह स्टेशन से ही चलाई जाएगी। यानी यह ट्रेन भोपाल से दमोह के बीच पूरी तरह रद्द रहेगी, जिससे दोनों ट्रेनों के 7-7 फेरे प्रभावित होंगे।

12 लाख रुपए लूटने होटल कर्मचारी पर चाकू से हमला

बैंग पर वाह लगने से टली बड़ी वादत, हमला कर बाइक सवार दोनों बदमाश फरार



मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)।। खंडवा के पंधाना रोड पर मंगलवार को होटल कर्मचारी से 12 लाख रुपए लूटने की कोशिश का मामला सामने आया है। बाइक सवार दो बदमाशों ने पहले कर्मचारी को रोकने की कोशिश की। वह नहीं रुका तो बदमाशों ने पीछा कर चलती बाइक पर चाकू से हमला किया और रुपयों से भरा बैग छीनने का प्रयास किया। कर्मचारी के विरोध और चाकू बैग में लगने से बदमाश सफल नहीं हो सके। दोनों बाइक से फरार हो गए।

बैंक से 12 लाख रुपए लेकर होटल जा रहा था कर्मचारी: इंदौर रोड स्थित होटल शगुन का कर्मचारी निश्चल भाटी मंगलवार को मार्नसिंग मिल तिराह के पास स्थित आईसीआईसीआई बैंक गया था। बैंक से उसने 12 लाख रुपए निकाले और रकम बैग में रखकर बाइक से पंधाना रोड की ओर होटल जा रहा था। इसी दौरान बाइक सवार दो युवकों ने उसका पीछा शुरू कर दिया।

पेट्रोल पंप के पास चाकू से किया हमला: निश्चल के अनुसार, बदमाशों ने रास्ते में उसकी बाइक रोकने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं रुका। छोटी आबना नदी के आगे त्रिमूर्ति पेट्रोल पंप के पास दोनों ने फिर उसे रोकने का प्रयास किया। इसी दौरान एक बदमाश ने चाकू से हमला किया और रुपयों से भरा बैग छीनने की कोशिश की।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनीं आमजन की समस्याएं

जनसुनवाई में 100 से अधिक आवेदनों का मौके पर निराकरण



मीडिया ऑडीटर, बिदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट के भूतल स्थित सभा कक्ष में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे आवेदकों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई में ग्राम बेरखेड़ी निवासी श्री निखिल शर्मा ने अपनी भूमि सर्वे क्रमांक 445/2 का रास्ता खुलवाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित तहसीलदार को मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई कर रास्ता खुलवाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार ग्राम लखनगार की आवदिवासी आवेदिका श्रीमती मुनी बाई ने भूमि के खसरे में दर्ज अन्य व्यक्ति का नाम हटवाने के संबंध में आवेदन दिया। इस प्रकरण में रिकॉर्ड दुरुस्तीकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। बिदिशा नगर के वार्ड क्रमांक-1 निवासी सुमित्रा बाई ने अधिक बिजली बिल आने की शिकायत दर्ज कराई।

मंदसौर में 3 दिन से बारिश नहीं, गर्मी बढ़ी

23 सितंबर को 35 डिग्री तक पहुंचेगा तापमान, 25-26 को हल्की बारिश की संभावना



मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले में मौसम का मिजाज फिर बदल गया है। पिछले तीन दिनों से जिले में व्यापक बारिश नहीं हुई है। शुक्रवार और शनिवार को कुछ हिस्सों में बारिश हुई थी, लेकिन रविवार, सोमवार और मंगलवार को मौसम मुख्यतः सूखा रहा। तेज धूप के कारण दिन में गर्मी और उमस बढ़ गई है। इस मानसून सीजन में जिले में औसत 750.8 मिमी (29.56 इंच) बारिश दर्ज हुई है, जो पिछले साल इसी अवधि में हुई 853.1 मिमी (33.59 इंच) बारिश से 102.3 मिमी (4.03 इंच) कम है।

सभी केंद्रों पर 8259.5 मिमी बारिश रिकॉर्ड: कलेक्टर भू-संसाधन प्रबंधन के आंकड़ों के अनुसार, 1 जून से 22 सितंबर तक जिले के सभी वर्षापापी केंद्रों पर कुल 8259.5 मिमी बारिश दर्ज की गई है। पिछले साल इसी अवधि में सभी केंद्रों पर कुल 9385.1 मिमी बारिश हुई थी। मंगलवार को बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 1.8 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। केंद्रवार आंकड़ों के अनुसार भानपुरा में 760.6 मिमी, गरोठ में 708.2 मिमी, गरोठ क्षेत्र के अन्य वर्षापापी केंद्र पर 799.6 मिमी,

मल्हारगढ़ में 919 मिमी, सजीत में 516 मिमी, धुंधड़का में 845 मिमी, मंदसौर में 725 मिमी, शामगढ़ में 809 मिमी, कयामपुर में 637.5 मिमी, सीतामऊ में 739.3 मिमी और सुवासरा में 800.3 मिमी बारिश दर्ज हुई है। अब तक सबसे अधिक 919 मिमी बारिश मल्हारगढ़ क्षेत्र में हुई है, जबकि सजीत केंद्र पर सबसे कम 516 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है।

24-25 सितंबर से मौसम में बदलाव के संकेत: मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार फिलहाल जिले में बारिश की गतिविधियां

कमजोर हैं। 23 सितंबर को मौसम मुख्यतः साफ रहने और अधिकतम तापमान 34 से 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। 24 सितंबर को आंशिक बादल छा सकते हैं और मौसम में बदलाव के संकेत हैं। 25 सितंबर को आंशिक बादल छाए रहने के बीच जिले के कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान 32 से 33 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। 26 सितंबर को भी बादल छाए रहने के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश के आसार हैं।

20 साल की सेवा, 2-4 हजार मानदेय: अधिकार और आजीविका के लिए आंदोलन का ऐलान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश की ग्राम पंचायतों में वर्षों से सेवाएं दे रहे चौकीदार, भृत्य, सफाईकर्मी और पंप चालक सहित स्कूल शिक्षा एवं आदिम जाति कल्याण विभाग के स्कूलों, छात्रावासों और आश्रमों में कार्यरत अंशकालीन एवं अस्थायी कर्मचारी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन की तैयारी में हैं और डिपार्टमेंट आउटपोसर्स, अस्थायी, अंशकालीन, ग्राम पंचायत कर्मचारी संयुक्त मोर्चा, मध्यप्रदेश के प्रांतीय आह्वान पर 28 और 29 सितंबर को प्रदेशभर में दो दिवसीय कामबंद हड़ताल प्रस्तावित है संयुक्त मोर्चे के अनुसार, इस दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों से कर्मचारी भोपाल पहुंचेंगे और भाजपा कार्यालय के सामने स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा के समक्ष धरना-प्रदर्शन करेंगे कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से सेवाएं देने के बावजूद उन्हें कम मानदेय में काम करना पड़ रहा है और सेवा संबंधी कई सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं संयुक्त मोर्चा के कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ. अमित सिंह ने प्रांतीय अध्यक्ष वासुदेव शर्मा के नेतृत्व में आंदोलन की जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश में बड़ी संख्या में कर्मचारी वर्षों से सेवाएं दे रहे हैं। उनके अनुसार कुछ कर्मचारियों को 20 वर्ष या उससे अधिक समय से सेवाएं देने के बावजूद लगभग 2 से 4 हजार रुपये तक का मानदेय मिल रहा है उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में

कार्यरत कर्मचारी ई-पंचायत व्यवस्था, सुरक्षा, स्वच्छता और नल-जल व्यवस्था सहित विभिन्न जिम्मेदारियां निभाते हैं वहीं स्कूलों, छात्रावासों और आश्रम शालाओं में अंशकालीन एवं अस्थायी भृत्य और रसोइए लंबे समय से सेवाएं दे रहे हैं संयुक्त मोर्चे का कहना है कि वर्तमान महंगाई में कम मानदेय से परिवार का भरण-पोषण कठिन हो रहा है डॉ. सिंह ने कहा कि लंबे समय से सेवा दे रहे कर्मचारियों के लिए स्पष्ट सेवा नियमावली, सम्मानजनक पारिश्रमिक और सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था की जानी चाहिए उन्होंने बताया कि स्थायीकरण, न्यूनतम वेतन और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का दर्जा सहित प्रमुख मांगों को लेकर आंदोलन किया जा रहा है संयुक्त मोर्चे ने अंशकालीन एवं अस्थायी भृत्य, सफाईकर्मी, पंप चालक, चौकीदार और रसोइयों को स्थाई कर्मचारी घोषित कर शासकीय चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का दर्जा देने की मांग की है इसके अलावा लागू कानूनी प्रावधानों के अनुरूप समान एवं सम्मानजनक न्यूनतम वेतन निर्धारित करने की मांग भी रखी गई है कर्मचारियों ने कार्य समय, अन्वकाश, PF/ESI, पेंशन, बीमा, चिकित्सा सुविधा और कार्यस्थल सुरक्षा सहित सेवा शर्तों के लिए स्पष्ट नियमावली बनाने तथा लॉबित मानदेय अंतर एवं पात्र एग्रियर का भुगतान करने की मांग की है बिना उचित प्रक्रिया के कर्मचारियों को सेवा से हटाने की व्यवस्था पर रोक लगाने की मांग भी शामिल है।

रतलाम में चलती बाइक पर चक्कर आने से गिरा सिर में चोट लगने से व्यक्ति की मौत, काम के लिए निकले थे



मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। सैलाना से रतलाम काम पर जा रहे 50 वर्षीय बाइक सवार की मंगलवार सुबह धामनोद के पास सड़क हादसे में मौत हो गई। सैलाना के विवेकानंद मार्ग निवासी मुकेश (50) पिता कारूलाल नागदिया रोजाना की तरह बाइक से रतलाम स्थित टीवीएस शोरूम में काम करने जा रहे थे। धामनोद के पास चलती बाइक पर अचानक चक्कर आने से उनका संतुलन बिगड़ गया और वे बाइक समेत सड़क पर गिर गए। हादसे में सिर में गंभीर चोट लगने से उनकी मौत हो गई।

राहगीरों ने 112 को दी सूचना: हादसे के बाद सड़क से गुजर रहे राहगीरों ने रुककर 112 पर सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और मुकेश को 112 वाहन से सैलाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गई। यहां इयुटी डॉक्टर जितेंद्र रायकवार ने जांच के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया। मुकेश की मौत की सूचना मिलते ही परिजन और समाजजन बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंच गए। अचानक हुए हादसे में मौत से परिवार में मातम छा गया।

सांदीपनि स्कूल में उमंग काउंसलर ने दिए स्वास्थ्य टिप्स

तनाव से बचने दी सलाह, समस्या होने पर हेल्प नंबर और काउंसलर से करें चर्चा

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। पिपरिया में मंगलवार को शासकीय सिविल अस्पताल की टीम ने सांदीपनि आरएनए उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में उमंग स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस प्रोग्राम किया। काउंसलर ने विद्यार्थियों को स्वस्थ रहने के तरीके बताए। साथ ही, समस्या होने पर शिक्षकों और काउंसलर से बात करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि उमंग काउंसलर सतीश वर्मा ने दीप जलाकर की। प्राचार्य संजीव दुबे ने इसकी अध्यक्षता की। उमंग प्रभारी प्रीति बाला शर्मा, सुरेश पटेल और सभी शिक्षक मौजूद रहे।

किशोरावस्था जीवन का अहम पड़ाव: इस साल की थीम 'उमंग है तो जिंदगी में रंग है, चुनौतियों से लड़कर सकारात्मक से गढ़ेंगे भविष्य' रखी गई थी। उमंग परामर्शदाता ने बताया कि किशोरावस्था जीवन का अहम पड़ाव



● किसी को नीचा दिखाना गलत है

हमें अपने दोस्तों की भावनाओं को भी समझना चाहिए। किसी का मजाक उड़ाना, उसे नीचा दिखाना या बुलिंग और साइबर बुलिंग करना गलत है। मानसिक रूप से परेशान होने पर उमंग परामर्शदाता या टैली मानस 14416 पर मदद ली जा सकती है। काउंसलर ने किशोर-किशोरियों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए हरी सब्जियां, फल, दालें, दूध/दही, अनाज और पर्याप्त प्रोटीन लेने को कहा। अंत में काउंसलर ने कहा, 'स्वस्थ किशोर, स्वस्थ परिवार, स्वस्थ समाज के दोबारा रहने के लिए आवश्यक है, एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र।

है। इस दौरान शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक बदलाव होते हैं। उन्होंने कहा कि इन बदलावों से जुड़े सवालों को छिपाने या डरने की जरूरत नहीं है। सही जानकारी लेना और जरूरत पड़ने पर माता-पिता, शिक्षक, डॉक्टर या उमंग परामर्शदाता से बात करना समझदारी है। एक स्वस्थ किशोर ही समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकता है।

काउंसलर ने विद्यार्थियों को पौष्टिक और संतुलित भोजन लेने, पर्याप्त नींद लेने, नियमित शारीरिक गतिविधि करने और साफ-सफाई का ध्यान रखने की सलाह दी। उन्होंने यह भी बताया कि अगर कभी तनाव, चिंता, डर, उदासी या पढ़ाई का दबाव महसूस हो तो अकेले परेशान न हों। किसी भरोसेमंद व्यक्ति से बात करें। अपनी भावनाओं और राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकते हैं।

सीहोर में आंधी-बारिश में गरीब परिवार का मकान ढहा राशन और सामान भी खराब, रैन बसेरे में रहने को मजबूर

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के पास चंदेरी गांव में तेज आंधी-तूफान और बारिश के बीच एक गरीब परिवार का मकान ढह गया।

रीना बाई का घर अचानक गिरने से दीवारें टूट गईं और छत भी खराब हो गई। परिवार के लोग किसी तरह सुरक्षित बच गए, लेकिन अब उनके पास रहने के लिए अपना घर नहीं है।

एक किंवदंतल गेहूं समेत घर का सामान हुआ खराब:

मकान गिरने के बाद बारिश का पानी घर में भर गया। अंदर रखा करीब एक किंवदंतल गेहूं, राशन, कपड़े और रोजमर्रा के सामान पानी में भीगकर खराब हो गया। परिवार के पास खाने-पीने और जरूरत का सामान जुटाने के लिए भी पर्याप्त साधन नहीं हैं।

जमीन भी नहीं, खुद मकान बनाना मुश्किल:

क्षेत्रीय किसान नेता एमएस मेवाड़ा ने मौके पर पहुंचकर परिवार की स्थिति देखी। उन्होंने बताया कि परिवार गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करता



है और उसके पास खेती की जमीन भी नहीं है। आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि परिवार अपने खर्च पर दोबारा मकान बना सके। मकान टूटने के बाद परिवार को स्थानीय रैन बसेरे में रहना पड़ रहा है। ठंड के बीच रहने और खाने-पीने के इंतजाम को लेकर परिवार परेशान है।

RBC 6-4 से मदद और प्रधानमंत्री आवास की मांग:

पीडित परिवार और ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मदद की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि तहसील स्तर से RBC 6-4 के तहत परिवार को जल्द आर्थिक सहायता और मुआवजा दिया जाए।

इसके साथ ही परिवार को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान दिलाने की मांग की गई है, ताकि परिवार को दोबारा रहने के लिए सुरक्षित छत मिल सके।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने थाईलैंड को 20-1 से पीटा



दीपिका ने किये 9 गोल , नवनीत ने 4

गिफ्ट ,एजेसी। डूंग-फिलकर दीपिका सहरावत के 9 गोलों की सहायता से भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियाई खेलों के अपने तीसरे मुकाबले में थाईलैंड को 20-1 से हराया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में अपनी अजेय बहुत बरकरार रखी है। इस मैच में पूरे समय

भारतीय खिलाड़ी हावी रहें। वहीं थाईलैंड की टीम बेबस नजर आयी। इस मैच में दीपिका ने अपने सभी नौ गोल पेनल्टी कॉर्नर के जरिए किये। दीपिका के अलावा, नवनीत कौर ने चार मैदानी गोल किये जबकि युवा खिलाड़ी ऋतुजा पिप्साल ने हैट्रिक लगायी। कप्तान सलीमा टेटे, नेहा,

लालरेमसियामी और साक्षी राणा ने भी एक-एक गोल कर भारत के स्कोर को 20 तक पहुंचा दिया। मैच की शुरुआत से ही कोच जोर्ड मारिन की रणनीति के तहत भारतीय टीम ने बेहद आक्रामक रुख अपनाया। सीटी बजते ही भारतीय खिलाड़ियों ने थाईलैंड के हाफ

में दबाव बनाना शुरू कर दिया और शुरुआती गोलों से मैच के पहले ही क्वार्टर में भारत ने विरोधी टीम का मनोबल तोड़ दिया। भारतीय मिडफील्डर्स ने गेंद पर पूरा नियंत्रण बनाए रखा और फॉरवर्ड लाइन को लगातार सटीक पास दिए, जिससे गोल पर लगातार हमले जारी रहे। थाईलैंड की टीम को पहले तीन क्वार्टरों तक भारतीय गोलपोस्ट तक पहुंचने में भी संघर्ष करना पड़ा। हालांकि, मैच के चौथे क्वार्टर के आखिरी मिनटों में थाईलैंड को थोड़ी राहत मिली जब सुपांसा सामान्सो ने पेनल्टी कॉर्नर से एक साल्वना गोल दागने में सफलता पाई !

यह जीत एशियाई खेल 2026 में भारतीय महिला टीम के दबदबे को स्पष्ट करती है। भारत ने इससे पहले भी उज्बेकिस्तान को 19-0 और इंडोनेशिया को 17-1 से हराया था, जिससे टीम का गोल अंतर अब बेहद मजबूत हो गया है। लगातार तीन धमाकेदार जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम अब पूल-बी में शीर्ष स्थान पर मजबूती से काबिज है। इस

बेहतरीन प्रदर्शन के बाद भारत का अगला मुकाबला शुक्रवार को मेजबान जापान से होगा, जिसे पूल स्टेज का सबसे अहम मुकाबला माना जा रहा है और यह सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए महत्वपूर्ण होगा।

शेफाली वर्मा आईसीसी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंचीं



अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा दो स्थान के लाभ के साथ ही चौथे स्थान पर पहुंच गयी है। शेफाली ने एशियाई खेलों में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था जिसका लाभ उन्हें रैंकिंग के रूप में मिला है। शेफाली ने जापान के निशिन में बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में नाबाद 100 रन की पारी खेली थी।

ताजा रैंकिंग में शेफाली के अलावा अन्य भारतीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में भी बदलाव आया है। अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना एक स्थान नीचे फिसलकर छठे स्थान पर आ गई हैं, जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर अपने 10वें स्थान पर बरकरार हैं, जो उनकी निरंतरता को

दिखाता है। वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा बना हुआ है। श्री चरणी 799 रेटिंग अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर विराजमान हैं, और उनके बाद दूसरे नंबर पर ऑलराउंडर खिलाड़ी दीप्ति शर्मा जैसे 70 अंक पीछे हैं। यह भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की ताकत को उजागर करता है।

टीम की अन्य सदस्यों को भी उनके एशियाई खेलों के प्रदर्शन का अच्छा फायदा मिला है। क्रांति गौड़ 15 पायदान के फायदे से 57वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि नंदनी शर्मा ने 22 पायदान की लंबी छलांग लगाकर 72वां स्थान हासिल किया है। इन दोनों खिलाड़ियों ने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक (461 और 432) प्राप्त किए हैं, जो उनकी मेहनत और बेहतर खेल का प्रमाण है।

अभिषेक के नाम दर्ज हुआ 10 वीं बार गोल्डन डक होने का रिकार्ड

सानो ,एजेसी। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा जापान के खिलाफ हुए मैत्री मैच में पहली ही गेंद पर आउट हो गये थे। इससे उनके नाम एक अनचाहा रिकार्ड जुड़ गया है। ये 10 वीं बार है जब अभिषेक इस साल पारी की पहली ही गेंद पर आउट (गोल्डन डक) हुए।



इस मैच में कअभिषेक शर्मा चाली हारा-हिन्जे की पहली ही गेंद पर स्वीप शॉट खेलने की कोशिश में अपना केच थमा बैठे। ये गोल्डन डक इस साल के केलेंडर वर्ष में सभी टी20 मुकाबलों में उनका दसवां शून्य स्कोर था। इस आंकड़े के साथ, अभिषेक एक केलेंडर ईयर में टी20 क्रिकेट में 10 बार शून्य पर आउट होने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में अफगानिस्तान के राशिद खान और पाकिस्तान के शादाब खान को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने अपने-अपने केलेंडर वर्ष में नौ-नौ डक दर्ज किए थे। राशिद ने

2019 में और शादाब ने 2024 में नौ-नौ बार बिना खाता खोले पवेलियन का रास्ता देखा था, लेकिन अभिषेक ने जापान के खिलाफ इस रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया। दिलचस्प बात यह है कि 2026 में अभिषेक के नाम दर्ज हुए कुल 10 डक में से पांच बार वह टी20 इंटरनेशनल में पहली ही गेंद पर पवेलियन लौटे हैं, जो अपने आप में एक और रिकॉर्ड की बराबरी है।

आईसीसी टी20 रैंकिंग में फिर नंबर एक पर पहुंची भारतीय टीम

दुर्बई ,एजेसी। अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी20 रैंकिंग में एक बार फिर भारतीय क्रिकेट टीम नंबर एक पर पहुंच गयी है। जापान के खिलाफ मिली जीत के साथ ही भारतीय टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में इंग्लैंड को पछाड़कर नंबर एक स्थान हासिल कर लिया है। इंग्लैंड ने हाल ही में शीर्ष स्थान हासिल किया था आईसीसी की ताजा टी20 रैंकिंग के अनुसार, भारत और इंग्लैंड दोनों ही 269- 269 रेटिंग अंकों के साथ ही बराबरी पर हैं। हालांकि, भारतीय टीम बेहतर जीत प्रतिशत के साथ ही इंग्लैंड से आगे हो गयी है। इसी कारण उसे नंबर एक स्थान फिर मिला है। अंकों के मामले में भी भारतीय टीम का पलड़ा भारी है, उसके 17480 अंक हैं, जबकि इंग्लैंड के पास 11021 अंक हैं। यह भारतीय टीम के लगातार बेहतरीन प्रदर्शन का परिणाम है। शीर्ष पांच टीमों में भारत और इंग्लैंड के अलावा ऑस्ट्रेलिया 257 रेटिंग के साथ तीसरे स्थान पर है, जबकि न्यूजीलैंड 246 रेटिंग के साथ चौथे और दक्षिण अफ्रीका 243 रेटिंग के साथ पांचवें स्थान पर कायम है। इसके अलावा एशियाई खेलों में स्वर्ण विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम भी टी20 रैंकिंग में शीर्ष-5 में बरकरार है। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर टीम 264 रेटिंग अंकों के साथ ही तीसरे स्थान पर है।

भारतीय पुरुष कबड्डी टीम एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में पहुंची

बांग्लादेश को 48-25 से हराया

आइची ,एजेसी। भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने बांग्लादेश को हराकर एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। इससे भारतीय टीम का एक पदक पक्का हो गया है। टीम ने ग्रुप ए के अपने अहम मुकाबले में बांग्लादेश को 48-25 के बड़े अंतर से हराकर अंतिम चार में जगह बनायी। इसके के साथ ही ग्रुप स्तर पर भारतीय टीम ने लगातार तीसरा मुकाबला जीता। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट की शुरुआत जापान के खिलाफ शानदार जीत के साथ की जिसके बाद उसने दूसरे मैच में दक्षिण कोरिया को 63-31 से हराया। बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में भी भारतीय टीम शुरुआत से ही हावी रही और उसने अपने आक्रामक खेल से विरोधी पर

लगातार दबाव बनाए रखा। टीम ने मजबूत रेंडिंग और अनुशासित डिफेंस के बल पर पहले हाफ में ही एक बड़ी और निर्णायक बढ़त हासिल कर ली थी। भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी सफल रेंड के जरिए 18 अंक जुटाए और सात बोनस अंक भी हासिल किए। इसके अतिरिक्त, टीम ने बांग्लादेश को दो बार ऑलआउट करके अपनी स्थिति और पक्की कर ली।

वहीं विरोधी टीम डिफेंस के लिए अंक जुटाना कठिन रहा। मैच के शुरुआती हिस्से में वे रेंडिंग से केवल 5 अंक और तीन बोनस अंक ही हासिल कर सके। एक सुपर टैकल के जरिए उन्हें एक अतिरिक्त अंक जरूर मिला, लेकिन इसका मैच के परिणाम पर कोई खास असर नहीं पड़ा।



विल जैक्स के ऑलराउंड प्रदर्शन से इंग्लैंड ने श्रीलंका को 89 रनों से हराया सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की



डहम ,एजेसी। विल जैक्स के ऑलराउंड प्रदर्शन से मेजबान इंग्लैंड ने श्रीलंका को पहले टी20 मुकाबले में 89 रनों से हराकर तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। जैक्स ने पहले बल्लेबाजी के दौरान 46 रन बनाए और बाद में अपनी घातक गेंदबाजी से पांच विकेट लेकर श्रीलंकाई बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अंसिता

फर्नांडो ने टॉम बेंटन को एक बोलड कर पहला झटका दिया। हालांकि, अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने 44 रन और कप्तान हैरी ब्रुक ने 67 रन बनाकर पारी को संभाला। रूट ने पहले बेन डकेट के साथ 50 और फिर ब्रुक के साथ 68 रनों की अहम साझेदारियां कीं, जिससे इंग्लैंड की टीम 135-2 के मजबूत स्कोर तक पहुंच गया। लेकिन रूट के 44 रन पर आउट होने और ब्रुक के अर्धशतक के बाद, श्रीलंका के पदार्पण कर रहे मिस्ट्री स्पिनर सचिंदु कोलंबेज और तेज गेंदबाजों ने

मिलकर इंग्लैंड के मध्यक्रम को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। ऐसे समय में जोस बटलर भी विफल रहे। मेजबान टीम ने महज 15.5 ओवरों के भीतर 65 रन जोड़कर अपने 6 बड़े विकेट गंवा दिए। ऐसे नाजुक मोड़ पर विल जैक्स ने मोर्चा संभाला और 47 गेंदों पर नाबाद 46 रनों की बहुमूल्य पारी खेली, जिससे इंग्लैंड का स्कोर 48.1 ओवर में 265 रनों तक पहुंच सका। इसके बाद 266 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही।

न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र भारत के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हुए, जैकब्स शामिल

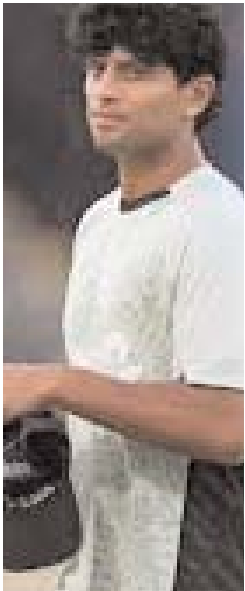
ऑकलैंड ,एजेसी। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रवींद्र कंधे की चोट के कारण भारत के खिलाफ होने वाली आगामी पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। यह चोट उन्हें पिछले साताह एक प्रमोशनल शूट के दौरान लगी थी, जिसके चलते उन्हें करीब छह सप्ताह तक क्रिकेट से दूर रहना पड़ेगा। इसी कारण टी20 सीरीज में अब रचिन की जगह पर 24 साल के उमरते हुए क्रिकेटर बेवॉन जैकब्स को शामिल किया गया है। रवींद्र का बाहर होना टीम के लिए करारा झटका माना जा रहा है।

वहीं इसको लेकर टीम के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि रवींद्र को एक बुरा एक्सीडेंट हुआ था, लेकिन अब वे काफी बेहतर महसूस कर रहे हैं। वाल्टर ने कहा कि टीम प्रबंधन उनके स्वास्थ्य पर कोई दबाव नहीं डालना चाहता और उनकी प्राथमिकता वनडे सीरीज के लिए उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करना है, जो टी20 सीरीज के बाद होनी है। कोच ने उम्मीद जताई कि वह एकदिवसीय सीरीज के लिए पूरी तरह फिट हो जाएंगे।

कोच ने रचिन रवींद्र के चोटिल होने के अनेखे तरीके पर टिप्पणी करते हुए कहा, रचिन खुद को चोट पहुंचाने के लिए अनेखे तरीके ढूंढते हैं। मेरा मतलब है, ऐसी चीजें होती हैं, इसलिए सच कहूं तो मैं इसमें बहुत ज्यादा नहीं सोचता। यह टिप्पणी उनके खिलाड़ियों के साथ हल्के-फुल्के रिश्ते को दर्शाती है, लेकिन साथ ही यह भी बताती है कि

टीम ऐसे अप्रत्याशित हादसों को खेल का हिस्सा मानती है।

प्रमोशनल शूट के शेड्यूल पर उठे सवालों पर वाल्टर ने बचाव करते हुए कहा कि वे किसी बड़े टेस्ट या महत्वपूर्ण मैच से एक दिन पहले ऐसे प्रमो काम नहीं करते। उनका मानना था कि इसका समय दूर रहना पड़ेगा। इसी कारण टी20 सीरीज में अब रचिन की जगह पर 24 साल के उमरते हुए क्रिकेटर बेवॉन जैकब्स को शामिल किया गया है। रवींद्र का बाहर होना टीम के लिए करारा झटका माना जा रहा है।



रवींद्र की अनुपस्थिति में, न्यूजीलैंड टीम में 24 वर्षीय जैकब्स को शामिल किया गया है। जैकब्स ने अब तक 11 टी20 मैचों की 9 पारियों में एक अर्धशतक के साथ कुल 183 रन बनाए हैं। उन्हें इस बड़े अवसर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी20 सीरीज का आगाज 22 अक्टूबर से होगा। पांच मैचों की यह श्रृंखला दर्शकों के लिए रोमांचक मुकाबले लेकर आएगी। पहला मैच 22 अक्टूबर को, दूसरा 24 अक्टूबर को, तीसरा 27 अक्टूबर को, चौथा 30 अक्टूबर को और पांचवां तथा अंतिम मैच 1 नवंबर को खेला जाएगा।



एशियाई खेलों में भारतीय महिला स्कीट टीम को कांस्य पदक मिला

नगोया ,एजेसी। भारतीय महिला स्कीट टीम ने यहां जारी एशियाई खेलों में तीसरे स्थान पर रहने के साथ ही देश के लिए कांस्य पदक जीता है। टीम में शामिल परिनाज थालीवाल, रजिया व्हिल्लों और माहेश्वरी चौहान ने पदक जीतने के ही अपने प्रदर्शन से भी देश को गर्व करने का अवसर दिया। परिनाज थालीवाल, रजिया व्हिल्लों और माहेश्वरी चौहान की तिकड़ी ने स्कीट टीम स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन तीन दिनों के क्वालिफिकेशन राउंड के बाद, इन एथलीटों ने कुल 331 का स्कोर दर्ज करने के साथ ही तीसरा स्थान हासिल किया, जिससे पदक के लिए उनकी दावेदारी पुख्ता हुई। इस स्पर्धा में स्वर्ण पदक चीन की चे यूफें, जियान विटिंग और जियांग चाओयू की टीम ने

जीता, जिन्होंने कुल 347 अंक हासिल किए। वहीं, कजाकिस्तान की असेम ओरिनबे, जोया पिस्कुन और एडेल सदाकबायेवा की टीम ने 336 अंकों के साथ रजत पदक जीता। इस बीच, एशियाई खेलों में भारत को सॉफ्ट टेनिस में अपना पहला ऐतिहासिक पदक मिलने की गारंटी हो गई है। जय मीना ने पुरुषों के एकल वर्ग के क्वार्टर-फाइनल में फिलीपींस के शेरविन नुगुइट पर शानदार वापसी करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। एक रोमांचक मुकाबले में, जहाँ स्कोर 3-3 से बराबरी पर था, मीना निर्णायक गेम में 3-5 से पीछे चल रहे थे। उन्होंने अद्भुत धैर्य और कौशल का प्रदर्शन करते हुए अगले चार पॉइंट लगातार जीते और क्वार्टर-फाइनल को 4-3 से अपने नाम किया,

जिससे उन्होंने अंतिम चार में अपनी जगह बनाई। सेमीफाइनल में, जय मीना का सामना जापान के ताकूया कुरोसाका और चीनी ताइपे के यू-सुंग चांग के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा। सॉफ्ट टेनिस के नियमों के अनुसार, सेमीफाइनल में हारने वाले खिलाड़ी भी कांस्य पदक के हकदार होते हैं, जबकि विजेता स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। इस नियम के तहत, जय मीना ने कम से कम कांस्य पदक तो सुनिश्चित कर ही लिया है, जो देश के लिए एक नई उपलब्धि है। इन पदकों के साथ, भारतीय दल मौजूदा पदक तालिका में फिलहाल 1 स्वर्ण, 4 रजत और 3 कांस्य पदक सहित कुल 8 पदकों के साथ आठवें स्थान पर है।

संक्षिप्त समाचार

कोरबा के प्रथम पीपल-वट उद्यान में उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने किया वृक्षारोपण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा कोरबा जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने आज कोहड़िया स्थित कोरबा के प्रथम पीपल-वट उद्यान में वृक्षारोपण किया। उन्होंने उद्यान को निरंतर विकसित करते हुए हरा-भरा और सुंदर बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यह उद्यान नागरिकों के लिए प्राकृतिक वातावरण में समय बिताने का बेहतर स्थान बने तथा यहां आने वाले लोगों को पेड़-पौधों की छया और बच्चों को मनोरंजन एवं खेलकूद की सुविधाएं भी मिलें। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन और विधायक प्रेमचंद पटेल भी बैठक में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि पीपल-वट उद्यान को व्यवस्थित एवं आकर्षक स्वरूप दिया जाए। यहां अधिक से अधिक पौधों का रोपण कर हरित क्षेत्र का विस्तार किया जाए, ताकि आने वाले वर्षों में विकसित पेड़-पौधे नागरिकों को शीतल छाया और स्वच्छ वातावरण प्रदान कर सकें। उन्होंने उद्यान में बच्चों के लिए आवश्यक मनोरंजन एवं खेलकूद के साधन विकसित करने की आवश्यकता भी बताई।

आरसीसी नालियों और सीसी रोड के लिए 1.48 करोड़ मंजूर उप मुख्यमंत्री अरुण साव

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने धमतरी जिले के कुरुद नगर पालिका में चार कार्यों के लिए कुल एक करोड़ 48 लाख रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत की है। इनमें तीन आरसीसी नालियों के निर्माण के लिए एक करोड़ 18 लाख 61 हजार रुपए और एक सीसी रोड के लिए 29 लाख 44 हजार रुपए शामिल हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने संचालनालय से इनकी मंजूरी के आदेश जारी कर दिए हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विकास ने कुरुद नगर पालिका के वार्ड क्रमांक-1 में भारतीय स्टेट बैंक से छोटे नहर तक आरसीसी नाली के निर्माण के लिए 53 लाख 17 हजार रुपए, वार्ड क्रमांक-15 में कन्हारपुरी रोड में आरसीसी नाली के लिए 19 लाख 36 हजार रुपए तथा वार्ड क्रमांक-21 में मंगलम हाईवेयर से छोटे नहर तक आरसीसी नाली के लिए 46 लाख 8 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। विभाग ने कन्हारपुरी रोड में सीसी सड़क के निर्माण के लिए भी 29 लाख 44 हजार रुपए मंजूर किए हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट से अधोसंरचना मद से ये राशि जारी की गई है।

सेवा की कहानी: श्रमिक परिवारों को मिल रहा योजनाओं का सीधा लाभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार एवं रायगढ़ जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद और पात्र हितग्राहियों तक सीधे पहुंचाया जा रहा है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शिविरों और मैदानी स्तर पर हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें संबंधित योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। इससे श्रमिक और ग्रामीण परिवारों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए अनावश्यक परेशानी नहीं उत्पन्न पड़ रही है। इसी क्रम में रायगढ़ जिले के लैलूंगा विकासखंड के ग्राम कोडकेल की पंजीकृत महिला श्रमिक देववती सिदार को श्रम विभाग के भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की मिनीभाता महतारी जतन योजना का लाभ मिला। प्रसव के बाद उनके आवेदन का त्वरित निराकरण करते हुए 20 हजार रुपए की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से अंतरित की गई। सेवा की कहानी में देववती सिदार ने बताया कि उन्हें योजना की जानकारी आसानी से मिली और आवेदन की प्रक्रिया भी सरल रही। राशि सीधे खाते में मिलने से उन्हें काफी राहत मिली। प्रसव के बाद यह राशि मेरे और मेरे नवजात शिशु के स्वास्थ्य और पोषण की देखभाल में बहुत बड़ा सहायक बनी है। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और सहायता आसानी से मिलना हम जैसे श्रमिक परिवारों के लिए बहुत उपयोगी है।

‘सेवा संकल्प अभियान शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने का माध्यम - अरुण साव

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा कोरबा जिले के मंत्री अरुण साव ने आज कोरबा जिला मुख्यालय में ‘सेवा संकल्प अभियान’ के अंतर्गत संचालित गतिविधियों एवं आगामी कार्यक्रमों की समीक्षा की। उन्होंने अभियान के अंतर्गत प्रस्तावित गतिविधियों की रूपरेखा, तिथि और आयोजन स्थलों को अंतिम रूप देते हुए सभी कार्यक्रमों को व्यापक जनभागीदारी के साथ आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एक माह तक चलने वाले इस अभियान को सार्थक, प्रभावी और जनोन्मुखी स्वरूप देने के लिए शासन, प्रशासन तथा आमजन के समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्यक्रमों का सुचारु एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन और विधायक प्रेमचंद पटेल भी बैठक में शामिल हुए। उप



मुख्यमंत्री अरुण साव ने ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत 17 सितम्बर को आयोजित ‘आशीर्वाद’ के दिया’ कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि घर-घर दीप प्रज्वलित कर जनभागीदारी का जो उत्साह देखने को मिला, वह अभियान की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि ‘मेरे सपनों का भारत’ कार्यक्रम

के तहत छत्र-छात्राओं ने चित्रकला और भाषण के माध्यम से देश के प्रति अपने विचार और कल्पनाओं को अभिव्यक्त किया। उन्होंने आगामी गतिविधियों में भी इसी उत्साह और सहभागिता को बनाए रखते हुए सभी कार्यक्रमों को उत्सव के रूप में आयोजित करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने ‘सेवा संकल्प अभियान’ के शेष कार्यक्रमों के लिए तिथिवार कार्ययोजना तैयार करने, कार्यक्रमों की रूपरेखा निर्धारित करने तथा आयोजन स्थलों का चिन्हांकन समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों को कार्यक्रमों की तिथि, स्वरूप एवं आयोजन स्थल की पूर्व जानकारी उपलब्ध कराने तथा निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार सभी गतिविधियों का समय पर आयोजन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ अपने दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करते हुए

अभियान की गतिविधियों को सफल बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आयोजन में उत्साहपूर्ण वातावरण निर्मित हो और लोगों की सक्रिय रूप से जोड़ने के लिए प्रेरित किया जाए। अभियान के तहत गांवों और शहरों में स्वच्छता को जनआंदोलन का स्वरूप देते हुए नदी-घाटों की साफ-सफाई, वृहद स्तर पर पौधरोपण, रक्तदान, अंगदान सहित विभिन्न जनसेवा गतिविधियों का आयोजन किया जाए। इन कार्यक्रमों में अधिकाधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए उन्हें सेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और मानवता के प्रति संकल्प दिलाया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं से लोगों के जीवन में आए वास्तविक परिवर्तन की प्रेरक कहानियां अभियान की और अधिक प्रभावी बनाएं। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि ‘सेवा संकल्प अभियान’ सरकार की योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यों को आमजन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत विद्यार्थियों को दिया कैरियर मार्गदर्शन स्वामी आत्मानंद स्कूल चक्रधरनगर में आयोजित हुआ मार्गदर्शन कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत रायगढ़ जिले के शासकीय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, चक्रधरनगर रायगढ़ में कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शिक्षा के बाद उपलब्ध विभिन्न कैरियर विकल्पों, रोजगार की संभावनाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। विद्यार्थियों को अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप कैरियर का चयन करने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने कैरियर से जुड़े विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भविष्य की पढ़ाई और रोजगार के अवसरों को लेकर सही दिशा प्रदान करना रहा।



इस अवसर पर संबंधित अधिकारी, स्कूल के प्राचार्य एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। किसी के लिए व्हील चेयर महज एक सहायक उपकरण हो सकती है, लेकिन एक दिव्यांग विद्यार्थी के लिए यही साधन शिक्षा, आत्मनिर्भरता और अपने सपनों तक पहुंचने का रास्ता बन सकती है। शासन की जनकल्याणकारी पहल से लाभान्वित हुए योगेश कुमार नुरेटी की सेवा की कहानी इसी बदलाव की मिसाल है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा, सुशासन और जनकल्याण की भावना से दिव्यांगजनों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों ने योगेश के जीवन में नई उम्मीद जगाई है। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के निवासी योगेश कुमार नुरेटी दिव्यांग हैं। शिक्षा प्राप्त करने के दौरान उन्हें विद्यालय आने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था। व्हील



चेयर की सुविधा नहीं होने के कारण स्कूल तक पहुंचना और नियमित रूप से पढ़ाई जारी रखना उनके लिए चुनौती बना हुआ था। पढ़ने की इच्छा और आगे बढ़ने का सपना था, लेकिन शारीरिक कठिनाइयों उनकी राह में बाधा बन रही थी। इसी दौरान समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए संचालित प्रक्रिया के

एक महत्वपूर्ण माध्यम है। पहले विद्यालय आने-जाने में काफी परेशानी होती थी, लेकिन अब मैं पहले की तुलना में अधिक आसानी और आत्मविश्वास के साथ अपनी पढ़ाई जारी रख पा रहा हूँ। मुझे विश्वास है कि सही सहयोग और अवसर मिले तो दिव्यांगजन भी अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं। योगेश की कहानी यह दर्शाती है कि सुशासन का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि जरूरतमंद व्यक्ति तक सही समय पर सहायता पहुंचाकर उसके जीवन को आसान बनाना है। यूडीआईडी कार्ड के माध्यम से दिव्यांगजन की पहचान और पात्रता सुनिश्चित करने से लेकर आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराने तक की प्रक्रिया उनके अधिकारों और सुविधाओं तक पहुंच को आसान बनाती है।

सेवा की कहानी : विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति की माहिन बाई के जीवन में खुशहाली लेकर आई महतारी वंदन योजना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत शासन की योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की सफलता की कहानियां सामने लाई जा रही हैं। इसी क्रम में खैरागढ़ जिले के छुईखदान विकासखंड अंतर्गत पैलीमेटा सेक्टर के आंगनबाड़ी केंद्र तुमड़ादाह की विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति की हितग्राही मती माहिन बाई बैगा को महतारी वंदन योजना का लाभ मिल रहा है। योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता से उन्हें अपनी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोग मिल रहा है। मती माहिन बाई के लिए नियमित रूप से मिलने वाली आर्थिक सहायता परिवार की जरूरतों को पूरा करने में उपयोगी साबित हो रही है। दैनिक जीवन से जुड़ी आवश्यकताओं के लिए मिलने वाला यह सहयोग उनके



लिए आर्थिक सहारा बना है। माहिन बाई ने बताया कि महतारी वंदन योजना से हर महीने मिलने वाली राशि से घर की जरूरी चीजों को पूरा करने में मदद मिलती है। यह राशि उनके लिए काफी उपयोगी साबित है। उन्होंने बताया कि पहले छोटी मोटी जरूरतों को पूरा करने दूसरों

पर निर्भर रहना पड़ता था। अब महतारी वंदन योजना ने सिर्फ आर्थिक आजादी दिलाई, बल्कि खुद से फैसला लेना भी सिखाया। उल्लेखनीय है कि महतारी वंदन योजना के तहत पात्र महिलाओं को निर्धारित प्रावधानों के अनुसार आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सहयोग प्रदान करने के साथ उनके स्वास्थ्य, पोषण और दैनिक आवश्यकताओं में सहायता उपलब्ध कराना है। आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से पात्र महिलाओं को योजनाओं की जानकारी देने और उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग किया जा रहा है। माहिन बाई को महतारी वंदन योजना का नियमित लाभ मिलने से उन्हें अपनी आवश्यकताओं के लिए सुनिश्चित आर्थिक आधार मिल गया है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जिला पंचायत प्रतिनिधियों से वीसी द्वारा की वीबी-जीरामजी के प्रभावी क्रियान्वयन पर की चर्चा 375 अनुमय कार्यों में से स्थानीय आवश्यकता के अनुसार कार्यों का कटौत वयन- उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जीरामजी) के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर उपमुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के जिला पंचायत अध्यक्षों, उपाध्यक्षों एवं सदस्यों से संवाद किया। बैठक में योजनांतर्गत जिलों में स्वीकृत कार्यों, प्रगति तथा योजना के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने जिला पंचायत प्रतिनिधियों से बारी-बारी संवाद करते हुए योजना के क्रियान्वयन की जानकारी ली तथा उनके सुझाव और जमीनी स्तर पर आ रही कठिनाइयों को जाना। उन्होंने सभी को वीबी-जीरामजी के अंतर्गत अब 375 प्रकार के अनुमय कार्यों में से स्थानीय आवश्यकता के अनुसार कार्यों का चयन एवं स्वीकृति के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायतों में पर्याप्त संख्या में कार्य स्वीकृत किए गए हैं, स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप ग्राम सभा उपस्थित रहकर योजना के अंतर्गत अब 375 प्रकार के अनुमय कार्यों का चयन करने पर जोर दिया। बैठक में अपर मुख्य सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मती ऋचा शर्मा ने पंचायतों में स्वीकृत कार्यों के गुणवत्तापूर्ण



निर्माण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जल्द ही क्वालिटी मॉनिटरिंग सिस्टम तैयार किए जाएंगे, जिससे निर्माण कार्यों

की प्रभावी निगरानी की जा सकेगी। आयुक्त, विकसित भारत/जीरामजी तारन प्रकाश सिन्हा ने जिला पंचायत सदस्यों के योजना के प्रभावी क्रियान्वयन तथा तकनीकी

समस्याओं से संबंधित प्रश्नों का समाधान किया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के विशेष प्रयासों तथा किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए खेत सड़क और घरसा को भी अनुमय कार्यों में शामिल किया गया है। प्रदेश में बालिका शौचालय, मुक्तिधाम शोध तथा डिफेंक्ट बोरवेल रिचार्ज जैसे कार्यों को प्राथमिकता से लिया जा रहा है। ग्राम पंचायतें अपनी स्थानीय आवश्यकता के अनुसार इन कार्यों का चयन कर सकती हैं। सिन्हा ने बताया कि विभिन्न योजनाओं के अभिसरण (कन्वर्जेंस) से संबंधित भारत सरकार का नोटिफिकेशन जल्द जारी होने की प्रक्रिया में है। वहीं मनरेगा के शेष लंबित भुगतान के संबंध में भारत सरकार को पत्र प्रेषित किया गया है। वीबी-जीरामजी के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मानव संसाधन को मजबूत करने की दिशा में भी कदम उठाए जा रहे हैं। प्रथम चरण में 175 पदों पर भर्ती की स्वीकृति प्रदान की गई है। इनमें कार्यक्रम अधिकारी, कंप्यूटर प्रोग्रामर एवं लेखापाल के पद शामिल हैं तथा भर्ती प्रक्रिया वर्तमान में जारी है। इसके अतिरिक्त बस्तर, बीजापुर एवं नारायणपुर जिलों में 63 रोजगार सहायक पदों पर भर्ती की अनुमति भी प्रदान की गई है। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्षों, उपाध्यक्षों एवं सदस्यों ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर अपने सुझाव साझा किए तथा मैदानी स्तर पर आ रही विभिन्न कठिनाइयों से अधिकारियों को अवगत कराया। बैठक में पंचायत प्रतिनिधियों से प्राप्त सुझावों एवं समस्याओं को आवश्यक कार्रवाई हेतु संकलित किया गया है।